दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 26 अंक 336 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये शुक्रवार 13 मार्च 2026 डाक-शनिवार 14 मार्च 2026 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

इधर ईरान से युद्ध.. उधर ट्रंप का नया दांव, भारत समेत इन 16 देशों पर फिर गिरेगी टैरिफ की गाज?

वॉशिंगटन ,13 मार्च (एजेंसी)। वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने हितों की रक्षा के लिए नई व्यापारिक रणनीति की घोषणा की है। इसके तहत अमेरिकी सरकार ने भारत, चीन और यूरोपीय संघ समेत 16 प्रमुख देशों के खिलाफ 'सेक्शन 301' के तहत व्यापक व्यापारिक जांच शुरू कर दी है। दरअसल, बीते महीने 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका देते हुए राष्ट्रीय आपातकाल कानून के तहत लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को अवैध करार देकर रद्द कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी सरकार ने 'ट्रेड एक्ट 1974' के सेक्शन 122 का इस्तेमाल करते हुए 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ लागू कर दिया। अब अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि 'सेक्शन 301' के तहत शुरू की गई नई जांच प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाएगा। प्रशासन की कोशिश है कि जुलाई में अस्थायी टैरिफ की अवधि समाप्त होने से पहले जांच पूरी कर ली जाए।

एलपीजी किल्लत पर दिल्ली में कांग्रेस का चूल्हे लेकर प्रदर्शन

4 दिन से कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग बंद, पंजाब में लाइन में लगे बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है।

कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग 4 दिन से बंद है। वहीं पंजाब में लाइन में लगे बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई। केरल में गैस किल्लत से करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है।

उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

राजस्थान: गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली- होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है।

कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

उत्तर प्रदेश: चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद-यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95% पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं।

यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है। गैस की सप्लाई नहीं मिलने से भट्ठियां बंद हैं। 55 बड़ी फैक्ट्रियों में से 40 बंद हो चुकी हैं। अगर गैस की सप्लाई शुरू नहीं हुई तो आगरा में बनने वाली चांदी की पायल पर भी संकट आ सकता है।

अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर पर ईरान का मिसाइल अटैक

शिप को भारी नुकसान, अमेरिका लौट रहा, इराक में यूएस मिलिट्री प्लेन क्रैश

तेल अवीव/तेहरान ,13 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 14वां दिन है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर स्स अब्राहम लिंकन पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में जहाज को भारी नुकसान हुआ है। यह फारस की खाड़ी में तैनात था।

ईरानी सेना की स्पेशल यूनिट इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का कहना है कि हमले के बाद यह एयरक्राफ्ट कैरियर अब पीछे हट रहा है और अमेरिका की तरफ लौट रहा है। हालांकि अभी तक अमेरिकी सरकार या सेना की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं, अमेरिका का

एक सैन्य विमान बोइंग केसी-135 इराक क्रैश हो गया है। इस घटना के बाद इराक के एक शिया विद्रोही गुट ने दावा किया है कि उसी ने इस विमान को मार गिराया। इससे पहले 2 मार्च को कुवैत में भी फ्रेंडली फायरिंग की घटना में अमेरिका के तीन सैन्य विमान क्रैश होने की खबर सामने आई थी।

एयर चीफ मार्शल ने मिग-29 से अकेले भरी उड़ान, सैनिकों का मनोबल बढ़ाया, सैन्य ताकत का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को एक प्रमुख सीमावर्ती एयरबेस से मिग-29 (यूपीजी) मल्टी-रोल लड़ाकू विमान में अकेले उड़ान भरकर देश की सैन्य ताकत और ऑपरेशनल तैयारी का शानदार प्रदर्शन किया। वायुसेना प्रमुख के इस साहसी कदम का उद्देश्य अग्रिम मोर्चों पर तैनात सैनिकों का मनोबल बढ़ाना और आधुनिक तकनीक से लैस भारतीय बेड़े की क्षमताओं को परखना था। अपनी उड़ान के बाद एयर चीफ मार्शल ने बेस पर तैनात अधिकारियों और भारतीय

वायुसेना के पूर्व सैनिकों से विस्तृत बातचीत की। उन्होंने इस दौरान वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमताओं और किसी भी आकस्मिक चुनौती से निपटने के लिए 'फॉरवर्ड बेस' पर मिशन की तैयारियों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वायुसेना हर पल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। बता दें कि मिग-29 सोवियत यूनियन द्वारा निर्मित एक अत्यंत शक्तिशाली द्वि-इंजन लड़ाकू विमान है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में इसे 1980 के दशक में शामिल किया गया था। इसे मूल रूप से अमरीकी एफ-16 लड़ाकू विमान का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया था। वायुसेना ने हाल के वर्षों में अपने मिग-29 बेड़े को यूपीजी वर्जन में बदला है।

बिलासपुर में पारा 38 डिग्री, गर्मी के बीच आईएमडी ने कई जिलों में दिया बारिश का अलर्ट

बिलासपुर। मार्च के महीने में ही बढ़ती गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बिलासपुर में गुरुवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तेज धूप और उमस के कारण दिन के समय लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं।

बिलासपुर में मार्च की शुरुआत से ही गर्मी का असर तेजी से बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 37.5 डिग्री था। वहीं न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तेज धूप और बढ़ती गर्मी के कारण दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दे रही है और लोग घरों व दफ्तरों में ही रहना पसंद कर रहे हैं।

उद्योगों के फ्लाई ऐश से फैल रहे प्रदूषण का मुद्दा संसद में गूंजा

सांसद ज्योत्सना महंत ने पूछा सवाल, केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने संसद में कोरबा जिले में बढ़ती फ्लाई ऐश, लेगेसी ऐश और उद्योगों से फैल रहे प्रदूषण की गंभीर समस्या को उठाया। उन्होंने 100 प्रतिशत फ्लाई ऐश उपयोग का लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले विद्युत संयंत्रों से अब तक वसूले गए मुआवजा और अन्य कार्यवाही की जानकारी भी चाही।

उन्होंने विशेष रूप से कोरबा जिले के ऐश पॉन्ड में पिछले तीन वर्षों में जमा लेगेसी ऐश की मात्रा और उसके वैज्ञानिक निपटान की समय-सीमा की जानकारी मांगने के साथ विद्युत संयंत्रों और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण का स्थानीय पर्यावरण, जल स्त्रोतों, कृषि और आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर पर चिंता जताई। सरकार की ओर से नियम का उल्लंघन करने पर ऐसे संयंत्रों पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा भी मांगा। इसके जवाब में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों के केन्द्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि 31 दिसंबर 2021 की अधिसूचना के अनुसार कोयला या लिग्नाइट आधारित ताप विद्युत गृहों को 100 फीसदी फ्लाई ऐश उपयोग करने आदेशित किया गया है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड की ओर से कोरबा या प्रदेश के किसी भी ताप बिजली घरों पर पर्यावरणीय मुआवजा अधिरोपित नहीं किया गया है। मंत्री ने वजह बताई कि प्रथम तीन वर्षीय अनुपालन चक्र वित्त वर्ष 2022 से 2025 तक राख उपयोग संबंधी लक्ष्य के संबंध में कोई गैर अनुपालन होना नहीं पाया गया। लोकसभा में सांसद ज्योत्सना महंत ने वन क्षेत्रों और जनजातीय बस्तियों में हो रही अवैध ऐश डंपिंग को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी मांगी। उनका कहना था कि फ्लाई ऐश एक बड़ी समस्या है इसलिए स्थायी समाधान जरूरी है। विभागीय मंत्री ने सांसद को जानकारी दी कि थर्मल पॉवर प्लांट को अप्रयुक्त संचित राख अर्थात लैगेशी ऐश का उपयोग क्रमिक रूप से करने को कहा गया है। 1 अप्रैल 2022 से 10 वर्ष के भीतर इसकी उपयोगिता तय होगी। सीएसईबी के हवाले से केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि हसदेव ताप विद्युत संयंत्र स्थित ऐश पांड को छोडक़र कोरबा जिले में बेमतलब के ऐसे ऐश पांड को विद्युत कंपनी ने फिर से प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में वहां संचित लैगेशी ऐश की कुल मात्र 210.64 लाख मिट्रिक टन है। सांसद ने ऐश ट्रैक के जरिए फ्लाई ऐश के प्रबंधन और ट्रैकिंग के बारे में नतीजे की जानकारी मांगी। इस पर उन्हें बताया गया कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विकसित वेब पोर्टल पर राख उत्पादन और उपयोगिता की मासिक जानकारी अपलोड करने आदेशित किया गया है। इसके साथ ही ताप विद्युत संयंत्रों और सीपीसीबी द्वारा अधिकृत लेखा परीक्षकों से राख निपटान के लिए वार्षिक अनुपालन लेखा परीक्षा की रिपोर्ट पर भी ध्यान दिया जा रहा है। लोकसभा की कार्यवाही में सांसद ज्योत्सना महंत ने विद्युत संयंत्रों से वसूले गए पर्यावरणीय जुर्माने की उपयोगिता पर्यावरण व स्वास्थ्य क्षेत्र में तय करने की मांग भी सरकार से की। इस पर केन्द्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने स्पष्ट किया कि राख उपयोग अधिसूचना 2021 के अंतर्गत थर्मल पॉवर प्लांट व अन्य मामलों में लापरवाही बरतने वालों से एकत्रित किए गए पर्यावरण मुआवजे की राशि का उपयोग राखड़ के सुरक्षित निपटान के लिए होता है। इसके अतिरिक्त राख आधारित उत्पाद सहित राख के उपयोग पर अनुसंधान को उन्नत बनाने में भी हो सकता है। कहा गया कि छत्तीसगढ़ के थर्मल बिजली घरों पर पर्यावरणीय मुआवजा अधिरोपित नहीं किया गया है। इसलिए पर्यावरणीय मुआवजे के आबंटन का औचित्य नहीं है।

संरक्षा का ध्यान कार्यस्थल पर ही नहीं हर क्षण रखें– सिंह

एचटीपीएस में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह में हुए विविध आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भविष्य में दुर्घटनाओं को टालने के लिए संरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता रहा है। कर्मचारी संरक्षा का ध्यान कार्यस्थल पर ही नहीं हर क्षण रखें। सावधानी एवं सतर्कता से दुर्घटनाओं से बचाव होता है। यह विचार मुख्य अभियंता श्री एचके. सिंह ने संरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में व्यक्त किए।

हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम में 05 से 11 मार्च 2026 तक राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया। सप्ताहभर हुए कार्यक्रम में मुख्य अभियंता एचके सिंह एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एमके गुप्ता, एके. शाह, आरके. पांडे, केएनबी. राव, एसके. नायर, परियोजना प्रबंधक एसके. पंड्या और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके. कुरनाल द्वारा अपने उद्बोधन में कर्मचारियों एवं श्रमिकों को संरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) राजेश बंजारा के समन्वय में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इनमें संरक्षा जागरूकता व्याख्यान एवं प्रशिक्षण, अग्निदुर्घटना का मॉकड्रिल, सीपीआर, प्राथमिक उपचार और व्यवसायजन्य रोग पर प्रशिक्षण, धूल एवं ध्वनि प्रदूषित क्षेत्रों में सुरक्षा व सावधानियां, विद्युत संरक्षा, संरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी एवं रसायन संरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्पर्धा के विजयी प्रतिभागी, समूह और प्रशिक्षकों को मुख्य अभियंता एवं अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। हाउस कीपिंग में समूह-अ में संचालन-तीन, समूह-ब में बीएमडी- दो, समूह-स में टीएमडी-तीन और समूह-द में 500 मेगावॉट संयंत्र टेस्टिंग डिविजन-3 ने प्रथम पुरस्कार जीता है। नारा प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी पत्थरलाल यादव, इन्द्रजीत बंसोड़, मनोज कुमार पटेल, विमल तिवारी, तनखुश पटेल, कार्तिक दास महंत शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रिया मिश्रा, परमानंद जांगड़े एवं रविंद्र साहू द्वारा किया गया।

डीएसपीएम प्लांट के भंडार संभाग को द्वितीय पुरस्कार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। डीएसपीएम प्लांट कोरबा के सुरक्षा विभाग ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया। समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन पर पुरस्कार की घोषणा की गई। डीएसपीएम प्लांट के भंडार संभाग ने हाउसकीपिंग श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। यह पुरस्कार संयंत्र परिसर में स्वच्छता, सुव्यवस्था और सुरक्षा मानकों के उत्कृष्ट पालन के लिए दिया गया। इस मौके पर अधीक्षण अभियंता एएस मरावी समेत भंडार संभाग के अधिकारी-कर्मचारी रविंद सिंह, भावना जैनेंद्र, रितिका मिश्रा, अनुराधा सिंह, सीएस साहू, सतीश, पंकज, रामनारायण उपस्थित रहे।

विश्व किडनी दिवस पर एनकेएच में जागरूकता कार्यक्रम

डायलिसिस मरीजों को दी गई जरूरी सलाह

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एकेएच) में डायलिसिस मरीजों के लिए जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों और उनके परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किडनी रोग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, मरीजों को सही मार्गदर्शन देना और लंबे समय से उपचार करा रहे मरीजों का उत्साहवर्धन करना रहा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि शुगर (मधुमेह) और ब्लड प्रेशर (बीपी) को नियंत्रित नहीं रखने से किडनी खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए नियमित जांच, सही उपचार और संतुलित जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर एमडी मेडिसिन डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. सी. भास्कर, मनोचिकित्सक डॉ. रजनी वर्मा, क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. सुदीप्ति साहा तथा डाइटिशियन रिया दुबे उपस्थित रहीं। सभी विशेषज्ञों ने मरीजों को नियमित डायलिसिस, संतुलित आहार, दवाइयों का समय पर सेवन और संक्रमण से बचाव के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मरीजों और उनके परिजनों ने अपनी समस्याएं डॉक्टरों के सामने रखीं। विशेषज्ञों ने सभी सवालों के जवाब देते हुए सही जीवनशैली अपनाने और इलाज में लापरवाही न करने की सलाह दी।

मनोचिकित्सक डॉ. रजनी वर्मा ने डायलिसिस मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष जानकारी देते हुए कहा कि लंबे समय तक चलने वाले उपचार के कारण तनाव और चिंता की समस्या हो सकती है, इसलिए मरीजों के लिए सकारात्मक सोच, परिवार का सहयोग और नियमित परामर्श जरूरी है।

डाइटिशियन द्वारा किडनी मरीजों के लिए सही खान-पान और परहेज के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में कई डायलिसिस मरीजों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य मरीजों को भी प्रेरणा मिली। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि किडनी रोग से बचाव के लिए नियमित जांच कराएं और शुगर व बीपी को नियंत्रण में रखें।

कार्यक्रम के अंत में सभी मरीजों और उनके परिजनों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और डॉक्टर की सलाह का पालन करने का संदेश दिया गया।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन आपके जीवन में नया बदलाव लाने वाला है। आज सामाजिक क्षेत्रों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको मनवांछित परिणाम मिलेगा, जिससे आपको खुशी महसूस होगी। समय का सदुपयोग करने से कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। इस राशि की महिलाएं खासतौर से अपने व्यक्तित्व को निखारने में ध्यान देंगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के छात्रों को आज अपने शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। निजी व्यस्तता के चलते कुछ काम अधूरे रह सकते हैं। इस राशि के सरकारी नौकरी करने वालों को एक्स्ट्रा काम और जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलेगी। घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा, कई तरह के विचारों का आदान प्रदान होगा। सही समय पर सही फैसला लेने से आपको नौकरी और बिजनेस में अच्छा मौका मिल सकता है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। पारिवारिक माहौल बेहतर बना रहेगा। आपके काम में परिवार वालों का सहयोग बना रहेगा। कई मामलों में धीरज और धैर्य भी रखना जरूरी है। बातचीत में सही शब्दों का इस्तेमाल करें। गुस्से और जल्दबाजी से बनता हुआ काम बिगड़ सकता है। ऑफिस में बहुत संजीदगी से काम करें।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए नई योजना बनायेंगे, ये योजना भविष्य में कारगर साबित होगी। आज नए कामों पर आपका ध्यान रहेगा, उसके सकारात्मक नतीजे भी मिलेंगे। किसी विशेष काम को लेकर सफलता मिल सकती है जिससे आप खुश रहेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज अध्यात्म की तरफ आपका रुझान रहेगा। छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आज आपकी सेहत बढ़िया रहेगी। नए कामों की योजनाएं बनेंगी। किसी योजना पर काम करने के लिए लोगों से भरपूर मदद मिल सकती है। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे उन्हें काफी लाभ मिलेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज किसी खास काम में आपको फायदा मिलेगा। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक होने से आपको थोड़ी थकान महसूस होगी, अपने खान पान पर विशेष ध्यान दें। आज आपके कारोबार में तेजी आएगी। सहकर्मियों की मदद से आपके काम बन जाएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अपने विचारों को पॉजिटिव रखना बहुत जरूरी है। आप घरेलू सामान खरीदने में पैसे खर्च करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। माता पिता के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। सामाजिक या राजनैतिक जान पहचान बढ़ने से रिश्ते मजबूत होंगे। अपने अंदर ऊर्जा और प्रसन्नता महसूस करेंगे। परिवार के किसी सदस्य के करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। नकारात्मक परिस्थितियां बनने पर धैर्य रखें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आप असंभव कार्यों को भी पूरा करने में सफल होंगे। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे, घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। अपने से बड़े और समझदार इंसान की मदद से आपकी परेशानियां सुलझ सकती हैं। नजदीकी दोस्त या रिश्तेदार के साथ खराब रिश्ते दोबारा अच्छे हो जायेंगे। आज बहुत व्यवस्थित रहने का समय है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। आपकी कोशिशें सफल होंगी, थोड़ी सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त करेंगे। नवविवाहितों के जीवन में खुशियाँ बढ़ेगी। आपकी सकारात्मक सोच से परिस्थितियां अच्छी होंगी। घर में धार्मिक आयोजन हो सकता है।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। आज शाम को किसी समारोह में शामिल होंगे। संतान की उपलब्धि को लेकर घर में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। पारिवारिक मसला सुलझने से घर में सुकून और शांति बनी रहेगी। परिवार के साथ मनोरंजन का प्रोग्राम बन सकता है। आज राज की बात किसी से शेयर न करें। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आप खुशियों से भरे दिन की शुरुआत करने वाले हैं। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। थोड़ा समय परिवार और बच्चों की समस्याओं को समझने और सुलझाने के लिए निकालें। आज समय के हिसाब से काम करने के तरीकों में बदलाव करना जरूरी है। किसी बात को लेकर उसके जानकार व्यक्ति से विचार विमर्श करेंगे।

श्रमिकों, निर्धन एवं स्लम बस्तियों के रहवासियों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना

विगत दो वर्षों में 6183 स्वास्थ्य शिविर, 2 लाख 77 हजार 300 मरीजों का नि:शुल्क उपचार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। श्रमिकों, निर्धन एवं स्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए राज्य सरकार की महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना एक बड़ी राहत के रूप में उभर रही है। कोरबा शहरी क्षेत्र में बीते 02 वर्षों के भीतर मोबाइल मेडिकल यूनिट्स द्वारा 6183 चलित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 2 लाख 77 हजार 300 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क उपचार प्रदान किया गया। इसी अवधि में 67 हजार 412 व्यक्तियों की नि:शुल्क लैब जांच तथा 2 लाख 51 हजार 197 मरीजों को नि:शुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। इस पहल से श्रमिक एवं गरीब परिवारों को इलाज में होने वाले भारी खर्च से राहत मिली है तथा करोड़ों रुपये की बचत संभव हो सकी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा यह योजना सतत रूप से संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत चिकित्सकीय सेवाओं को सीधे नागरिकों के घर-द्वार तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के माध्यम से स्लम बस्तियों में रह रहे लोगों को उच्च गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य जांच, लैब परीक्षण और आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

वर्तमान में कोरबा शहरी क्षेत्र में इस योजना के अंतर्गत 10 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जो निर्धारित रोस्टर के अनुसार 150 से अधिक स्लम बस्तियों का भ्रमण कर नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। यूनिट्स के माध्यम से विभिन्न बीमारियों की पहचान, उपचार और दवा वितरण का लाभ गरीब, निर्धन और श्रमिक परिवारों तक निरंतर पहुँच रहा है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट्स में 41 प्रकार की लैब जांच सुविधा-योजना के तहत संचालित प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट में 41 प्रकार की बीमारियों की लैब जांच सुविधा उपलब्ध है। यूनिट में स्थापित मिनी लैब में मरीजों के रक्त एवं अन्य आवश्यक नमूनों की तुरंत जाँच कर रिपोर्ट प्रदान कर दी जाती है, जिससे बीमारी की पहचान शीघ्र हो जाती है और चिकित्सक मौके पर ही आवश्यक दवाइयाँ नि:शुल्क उपलब्ध करा देते हैं। मोबाइल यूनिट्स में विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु लगभग 95 प्रकार की दवाइयाँ हमेशा उपलब्ध रहती हैं, जिससे मरीजों को तत्काल चिकित्सा लाभ प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना निश्चित रूप से कोरबा के गरीब, श्रमिक एवं स्लम क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक प्रभावी स्वास्थ्य सुरक्षा कवच सिद्ध हो रही है। राज्य सरकार द्वारा योजनाओं के निरंतर और प्रभावी क्रियान्वयन से शहरी गरीबों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ आर्थिक बोझ में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

कलेक्टर ने रुकवाया अपना वाहन, क्षतिग्रस्त सड़क देखकर दिए तत्काल मरम्मत के निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के निरंतर निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कुणाल दुदावत आज लेमरू से श्यांग की ओर जा रहे थे। विमलता से आगे मोड़ पर पहुँचते ही उनकी नजर मार्ग पर बने बड़े गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़क पर पड़ी। स्थिति को गंभीर देखते हुए कलेक्टर ने तुरंत अपने वाहन चालक को रुकने का निर्देश दिया और स्वयं नीचे उतरकर सड़क की स्थिति का मुआयना किया।

पहाड़ी और दूरस्थ ग्रामों को जोड़ने वाला यह मार्ग ग्रामीणों की दैनिक आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़क पर बने गड्ढों से संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता श्री जी. आर. जांगड़े को स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने निर्देश दिए कि मार्ग का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों की आवाजाही सुरक्षित एवं सुगम बनी रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि बारिश और पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सड़कें तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं, ऐसे में नियमित निगरानी और त्वरित सुधार कार्य अनिवार्य हैं। किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को देखते हुए इस मार्ग की मरम्मत में देरी न की जाए।

भैंसमा में पराली जलाई: पेड़ और घास जले, धुएं से प्रदूषण व चारे की भी समस्या

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाएं रोज सामने आ रही हैं। इससे पेड़-पौधों को नुकसान हो रहा है। आग फैलने से खेतों के मेढ़ की हरी घास भी नष्ट हो जाती है, जिससे मवेशियों को चारे की समस्या हो रही है। इसके बाद भी रोकथाम के लिए उपाय नहीं किए जा रहे हैं। पराली जलाने से प्रदूषण भी फैल रहा है।

किसान धान की मिंजाई हार्वेस्टर और थ्रेसर मशीन से खेत में ही करते हैं। पराली (पैरा) को खेत में ही छोड़ देते हैं, जिसे कई बार शरारती तत्व आग लगा देते हैं। कई किसान पराली में आग लगाकर छोड़ देते हैं। आग फैलते हुए बड़े हिस्से को चपेट में ले लेती है। ग्राम भैंसमा के खेत में पराली में लगी आग फैलते हुए पेड़ों तक पहुंच गई, जिससे कई पेड़-पौधे जलकर राख हो गए। इसी तरह बरपाली, उमरेली, फरसवानी क्षेत्रों में आग लग चुकी है।

राज्य सरकार ने पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। इसमें जुर्माने का भी प्रावधान है। इसकी निगरानी के लिए कृषि विभाग, राजस्व विभाग के साथ पंचायत को भी जिम्मेदारी दी गई थी। कांग्रेस शासन में पैरादान का प्रावधान था, लेकिन गोठान बंद होने के साथ अभियान भी बंद हो गया। क्षेत्र में बहुत कम ग्रामीण ही मवेशी पालन करते हैं, इस वजह से भी पराली को घर नहीं ले जाते। कृषि विभाग के उपसंचालक डीपीएस कंवर ने कहा किसानों को पराली नहीं जलाने जागरूक कर रहे हैं। इससे होने वाले नुकसान को भी बताया जाता है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को नजर रखने कहा गया है। कई स्थानों पर पराली से मवेशियों के लिए कुट्टी भी तैयार कर रहे हैं।

चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार कोलकाता के कालीघाट काली मंदिर गए। सोमवार सुबह जब ज्ञानेश कुमार मंदिर गए तो उन्हें 卐वापस जाओ卐 के नारे लगे और काले झंडे दिखाए गए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर (बाएं) नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में बोलते हुए।

मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में ज्वाला नाम की एक चीता बच्चे को जन्म देने के बाद अपने बच्चों के साथ आराम कर रही है। पांच बच्चों के जन्म के साथ, भारत में चीतों की कुल आबादी 53 हो गई है, जो प्रोजेक्ट चीता के तहत एक और मील का पत्थर है।

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भोपाल में मध्य प्रदेश के चीफ इलेक्शन ऑफिसर संजीव कुमार झा से मुलाकात की और वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों को लेकर एक मेमोरेंडम सौंपा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव और दूसरे विपक्षी नेता नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दूसरे हिस्से के दौरान पश्चिम एशिया संकट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे हिंदुओं पर हमले दो की हत्या, हिंदू इलाकों में दहशत

ढाका,13 मार्च (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले एक सप्ताह में दो हिंदुओं की हत्या और एक मंदिर पर बम हमला होने से चिंता बढ़ गई है। मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से सख्त कार्रवाई और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग जिलों में दो हिंदुओं की हत्या और एक मंदिर पर बम हमला होने से हालात को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। मानवाधिकार संगठनों ने इन घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया राजनीतिक बदलाव के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं।हाल के दिनों में हुई घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एक ओर हत्या की घटनाएं सामने आई हैं तो दूसरी ओर मंदिर में बम फेंककर धार्मिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।क्या बोगुरा में कोचिंग संचालक की हत्या से बढ़ी चिंता?6 मार्च की रात बांग्लादेश के बोगुरा जिले में 40 वर्षीय चायोन राजभर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। चायोन राजभर एक कोचिंग सेंटर चलाते थे और स्थानीय स्तर पर शिक्षा से जुड़े कामों के कारण जाने जाते थे। बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला किया और मौके से फरार हो गए। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

क्या कॉक्स बाजार में रंगदारी के विरोध की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी?

7 मार्च को कॉक्स बाजार जिले में 29 वर्षीय गणेश पाल की हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक उनसे रंगदारी मांगी जा रही थी और उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें मार डाला। इससे पहले भी चटगांव में रंगदारी का विरोध करने पर आकाश दास की हत्या कर दी गई थी। इसी क्षेत्र के चंदनैश उपजिला के बदुरपारा में 70 वर्षीय चंन दे को मवेशी चोरी रोकने के कारण मार दिया गया था।क्या मंदिर में बम हमले से धार्मिक तनाव बढ़ा?

8 मार्च की शाम कुमिला शहर के कालीगाछ ताला काली मंदिर में पूजा के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने देसी बम फेंक दिए।

इस हमले में पुजारी केशब चक्रवर्ती समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। कुमिला के पुलिस अधीक्षक एमडी अनीसुज्जमां ने मौके का दौरा कर जांच के आदेश दिए हैं।

क्या मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की?मानवाधिकार संगठन बांग्लादेश जातीय हिंदू महाजोते के महासचिव मृत्युंजय कुमार राय ने इन घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने सरकार से अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की मांग की है। वहीं महानगर पूजा उत्सव फ्रंट के संयोजक श्यामल कृष्ण ने कहा कि ये घटनाएं समाज में अशांति फैलाने की साजिश हो सकती हैं और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

ईरान,13 मार्च(एजेंसी)। समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक बांग्लादेशी और पांच पाकिस्तानी शामिल हैं। क्या यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी थी या सोशल मीडिया पर सेंसरशिप का नया कदम?पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-कॉरप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई।सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री को राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा मानामंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में 'भ्रामक' वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है।बहरीन ने नागरिकों और प्रवासियों को दी चेतावनीईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने देशवासियों और विदेशी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे बिना अनुमति के वीडियो, तस्वीरें या जानकारी साझा न करें, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा या वर्तमान संघर्ष से संबंधित हों।

अमेरिका ने पाकिस्तान में जारी किया सुरक्षा अलर्ट, धार्मिक जुलूसों में हिंसा भड़कने का खतरा

पाकिस्तान ,13 मार्च(एजेंसी)। पाकिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने सभी कर्मियों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में धार्मिक जुलूसों के दौरान हिंसा भड़क सकती है। इसके चलते मंगलवार दोपहर से सभी अमेरिकी कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी दूतावास लाहौर, कराची और पेशावर समेत सभी महावाणिज्य दूतावासों पर नजर रखे हुए है। धार्मिक जुलूसों के दौरान यातायात जाम और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अमेरिकी लोगों को पाकिस्तान में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

हॉलीवुड पॉप सिंगर रिहाना के घर पर फायरिंग, 10 राउंड गोलियां चलाई, आरोपी महिला गिरफ्तार

लॉस एंजल्स ,13 मार्च । हॉलीवुड की मशहूर पॉप सिंगर के घर पर रविवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब उनके बेवर्ली हिल्स स्थित बंगले के बाहर अज्ञात महिला ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावर ने घर के बाहर से करीब '10 राउंड गोलियां चलाईं', जिनकी आवाज से पूरा इलाका दहल उठा।बताया जा रहा है कि एक गोली बंगले की दीवार को चीरते हुए अंदर तक पहुंच गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने मामले में 30 वर्षीय एक संदिग्ध महिला को हिरासत में ले लिया है।के मुताबिक रविवार दोपहर करीब '1:21 बजे' फायरिंग की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के समय रिहाना अपने घर के अंदर ही मौजूद थीं, जिससे उनके प्रशंसकों में चिंता और हैरानी दोनों देखी जा रही है।पुलिस के अनुसार हमलावर महिला अपनी कार में बैठी हुई थी और वहीं से उसने घर की ओर लगातार कई राउंड गोलियां चलाईं। पुलिस सार्जेंट 'जोनाथन डी वेरा' ने बताया कि घर के गेट के सामने खड़ी एक कार से फायरिंग की गई थी, लेकिन गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला 'सफेद टेस्ला कार' में सवार होकर साउथ कोल्डवॉटर कैन्यन ड्राइव की ओर फरार हो गई। पुलिस ने रेडियो संदेश के जरिए उसका हुलिया प्रसारित किया और पीछा शुरू किया।करीब '30 मिनट के भीतर' पुलिस ने आरोपी महिला को शर्मन ओक्स के एक शॉपिंग सेंटर की पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और फायरिंग के पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पिता की तरह ही होगा अंजाम', अमेरिका ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर को दी चेतावनी

वाशिंगटन ,13 मार्च । अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर चुना गया है। अमेरिकी सीनेटरों ने मोजतबा की ईरान के सुप्रीम लीडर के तौर पर नियुक्ति को लेकर जमकर आलोचना की। सीनेटरों का कहना है कि मोजतबा को सुप्रीम लीडर चुना जाना ईरान में वह बदलाव नहीं है, जिसकी हम उम्मीद कर रहे थे।

सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि ईरान का मारे गए अली खामेनेई के बेटे को उनकी जगह चुनना वह बदलाव नहीं है जिसकी हम उम्मीद कर रहे हैं। दक्षिण कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मेरा मानना है कि यह बस कुछ ही समय की बात है जब उनका भी वही हश्र होगा जो उनके पिता का हुआ था। ग्राहम लंबे समय से ईरान पर हमले करने की वकालत करते रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की पिछले हफ्ते आई रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यह भी सलाह दी थी कि ट्रंप को कार्रवाई के लिए कैसे राजी किया जाए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब मोजतबा खामेनेई के सुप्रीम लीडर चुने जाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। हालांकि, द टाइम्स ऑफ इजरायल के साथ एक छोटे से टेलीफोन इंटरव्यू में उन्होंने ईरान के खिलाफ हमले रोकने को लेकर बड़ा बयान दिया है।

द टाइम्स ऑफ इजरायल ने जब उनसे पूछा कि ईरान के खिलाफ हमले कब खत्म करेंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह इजरायल के साथ मिलकर तय करेंगे कि ईरान के साथ युद्ध कब खत्म करना है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस फैसले का हिस्सा होंगे, लेकिन आखिरी फैसला वाशिंगटन का होगा। ट्रंप ने इजरायली मीडिया से कहा, हम बात कर रहे हैं। मैं सही समय पर फैसला लूंगा, लेकिन हर बात का ध्यान रखा जाएगा। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका के हमले रोकने के फैसले के बाद इजरायल युद्ध जारी रख सकता है, तो ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसकी जरूरत होगी।

सीआईए के पूर्व डायरेक्टर डेविड पेट्रियस ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर के तौर पर मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने अमेरिकी मीडिया से कहा, हम मानते हैं कि वह अपने पिता की तरह ही रहेंगे, जो बहुत कट्टर विचारधारा वाले मौलवी थे। मुझे नहीं लगता कि वह अयातुल्लाह भी हैं, जब तक कि उन्हें हाल ही में प्रमोट न किया गया हो। कई दशक पहले जब उनके पिता को चुना गया था, तब वह भी इतने मशहूर नहीं थे।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बुधवार को चेतावनी दी कि ईरान जिस भी नेता को इजरायल को खत्म करने के लिए चुनेगा, वह निश्चित ही हत्या का टारगेट होगा, चाहे उसका नाम कुछ भी हो या वह कहीं भी छिपा हो। नेसेट (इजरायली संसद) के स्पीकर आमिर ओहाना ने भी यही बात दोहराई और कहा कि इंसान बदलने से सरकार की प्रकृति नहीं बदलती और इजरायल नए नेतृत्व से उसी तरह निपटेगा। इजरायली अधिकारियों की ओर से जारी इस बयान के बाद एक बात तो साफ है कि मोजतबा खामेनेई का अंजाम वही होगा, जो उनके पिता का हुआ था।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच ट्रंप और पुतिन ने फोन पर की बात, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- 'बहुत अच्छी' रही बातचीत

वाशिंगटन ,13 मार्च । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध और मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष पर चर्चा हुई। अमेरिका ईरान के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखे हुए है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच बातचीत को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनकी रूसी समकक्ष पुतिन के साथ बातचीत हुई। फ्लोरिडा में एक न्यूज कॉन्फ्रेंस यूक्रेन में युद्ध पर चर्चा की।

सऊदी अरब छोड़ दें', युद्ध के बीच अमेरिका ने डिप्लोमैट्स और एम्बेसी स्टाफ को दिया आदेश

वॉशिंगटन ,13 मार्च । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने सऊदी अरब स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों और वहां रह रहे अमेरिकी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश जारी किया है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले स्टेट डिपार्टमेंट ने दूतावास में कार्यरत अमेरिकी नागरिकों को स्वेच्छा से सऊदी अरब छोड़ने की सलाह दी थी, लेकिन अब सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उन्हें औपचारिक रूप से देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, स्टेट डिपार्टमेंट की ओर से इस 'ऑर्डर किए गए डिपार्चर' की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।दरअसल यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पिछले आठ दिनों के दौरान ईरान की ओर से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी दूतावासों को ड्रोन हमलों का निशाना बनाया गया है। बताया गया कि रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास परिसर में हुए एक ड्रोन हमले के बाद कंपाउंड में आग लग गई थी। सऊदी रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और केवल मामूली नुकसान हुआ।इसके अलावा दुबई में भी 3 मार्च को अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास ड्रोन हमला हुआ था। ड्रोन ने कॉन्सुलेट भवन के नजदीक एक पार्किंग लॉट को निशाना बनाया।

खामेनेई के बाद अब किम जोंग उन!, ट्रंप ने कोरिया भेजी अमेरिकी सेना, जंगी तैयारियां शुरू

न्यूयॉर्क ,13 मार्च ।मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच कोरियाई प्रायद्वीप पर भी अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच टकराव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इसकी वजह अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा शुरू किया गया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' है, जिसमें हजारों सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। यह युद्धाभ्यास 19 मार्च तक चलेगा।

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक इस अभ्यास में करीब '18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिक' शामिल हैं। हालांकि यूएस फोर्सेस कोरिया (स्क्रय) ने इसमें भाग लेने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या सार्वजनिक नहीं की है।यह संयुक्त सैन्य अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका अपने कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटाकर मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ संभावित कार्रवाई के लिए भेज रहा है।अमेरिकी सेना ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरक्षा कारणों से वह सैन्य संसाधनों की तैनाती और गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करेगी। वहीं दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने भी उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है, जिनमें दावा किया गया था कि कुछ अमेरिकी पैट्रियट एंटी-मिसाइल सिस्टम और अन्य उपकरणों को मिडिल ईस्ट भेजा जा रहा है। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इससे दोनों देशों की संयुक्त रक्षा रणनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।दूसरी ओर उत्तर कोरिया लंबे समय से 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास का विरोध करता रहा है। प्योंगयांग का कहना है कि ऐसे सैन्य अभ्यास उसके खिलाफ हमले की तैयारी का हिस्सा हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।उत्तर कोरियाई नेता 'किम जोंग उन' ने पिछले महीने प्योंगयांग में एक सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया के प्रति अपना कड़ा रुख दोहराया था, हालांकि उन्होंने अमेरिका के साथ बातचीत के दरवाजे खुले रखने की बात भी कही थी। उन्होंने यह भी मांग की कि अमेरिका परमाणु निरस्त्रीकरण को बातचीत की पूर्व शर्त न बनाए।गौरतलब है कि वर्ष 2019 में किम जोंग उन और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई शिखर वार्ता के विफल होने के बाद उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लगभग सभी सार्थक वार्ताएं बंद कर दी थीं। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बढ़ता गया है।हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है। साथ ही उसने रूस के साथ सैन्य संबंध भी मजबूत किए हैं और यूक्रेन युद्ध में रूस को हथियार और सैनिक भेजने की खबरें भी सामने आती रही हैं।'फ्रीडम शील्ड' अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच साल में दो बार होने वाले कमांड पोस्ट अभ्यासों में से एक है। दूसरा अभ्यास अगस्त में 'उलची फ्रीडम शील्ड' के नाम से आयोजित किया जाता है। ये अभ्यास मुख्य रूप से कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए संयुक्त सैन्य संचालन की क्षमता का परीक्षण करते हैं। इस बार फील्ड ट्रेनिंग कार्यक्रम 'वारियर शील्ड' के तहत 22 फील्ड अभ्यास आयोजित किए जाएंगे, जो पिछले साल के 51 अभ्यासों से कम हैं।हालांकि अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि फील्ड अभ्यास पूरे वर्ष अलग-अलग चरणों में होते रहते हैं। वहीं कुछ विश्लेषकों का मानना है कि सहयोगी देश उत्तर कोरिया के साथ संभावित वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाने की कोशिश भी कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति 'ली जे-म्युंग' ने भी कूटनीति के जरिए समाधान निकालने की इच्छा जताई है।प्योंगयांग का कहना है कि ऐसे सैन्य अभ्यास उसके खिलाफ हमले की तैयारी का हिस्सा हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।उत्तर कोरियाई नेता 'किम जोंग उन' ने पिछले महीने प्योंगयांग में एक सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया के प्रति अपना कड़ा रुख दोहराया था, हालांकि उन्होंने अमेरिका के साथ बातचीत के दरवाजे खुले रखने की बात भी कही थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-01-26-27, दि. 09-03-2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर रेलवे सेटलमेंट में सड़कों का सुधार का कार्य। निविदा मूल्य: 3,27,94,666.31/–, अमानत राशि: ₹ 3,14,000.00/–, कार्य पूर्णता की अवधि: 09 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-02-26-27, दि. 09-03-2026
कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर रेलवे सेटलमेंट में 02 वर्षों की अवधि के लिये जंगल की सफाई का कार्य। निविदा मूल्य: 55,54,175.00/– अमानत राशि: ₹ 1,11,100.00/–, कार्य पूर्णता की अवधि: 24 माह।

क्र.सं. (3) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-04-26-27, दि. 09-03-2026
कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेंटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कर्मचारियों के लिये पुराने/जर्जर क्वार्टरों के प्रतिस्थापन आधार पर 10 यूनिट टाइप–।।, 08 टाइम–।।।, 08 यूनिट टाइप–IV क्वार्टरों का निर्माण। निविदा मूल्य: 7,46,19,731.91, अमानत राशि: ₹ 5,23,100.00/–, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 19–03–2026 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथि: 02–04–2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/FL/747 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

सम्पादकीय...

मृत्यु में गरिमा

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा। दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

पश्चिमी एशिया में लड़ाई का बढ़ता दायरा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

ईरान की लड़ाई का दायरा धीरे-धीरे फैलता जा रहा है और यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह विश्व युद्ध का रूप न धारण कर ले। पहले दो युद्ध मोटे तौर पर यूरोप के युद्ध थे, यद्यपि उसमें एशिया का जापान और किसी सीमा तक चीन भी शामिल था। भारत की सेना उसमें इसलिए भाग ले रही थी क्योंकि यहां कब्जा इंग्लैंड का था। लेकिन यह युद्ध लड़ा एशिया में जा रहा है। इसमें अमेरिका, कहा जा रहा है इजराइल की सहायता के लिए कूदा है। जब से एशिया में से यूरोपीय देशों का कब्जा हटा है, तब से उसका स्थान अमेरिका ने संभाल लिया है। अमेरिका और यूरोप के तौर-तरीके में एक फर्क है। यूरोप के लोग सीधे सीधे एशिया के देश पर कब्जा कर वहां की सत्ता संभाल लेते थे और उस देश का आर्थिक व सांस्कृतिक शोषण करते थे। लेकिन अमेरिका का तौर तरीका थोड़ा अलग है। वह किसी देश की सत्ता पर सीधा कब्जा नहीं करता, लेकिन उस देश में अपनी समर्थक और परोक्ष रूप से नियंत्रित सरकार स्थापित कर देता है। यदि वह सरकार नियंत्रण से बाहर हो जाए तो उसे किसी न किसी तरीके से गिरा कर नई सरकार स्थापित कर देता है। पाकिस्तान में वह लंबे समय से यही करता आया है। पिछले प्रधानमंत्री इमरान खान ने तो बार-बार कहा था कि अमेरिका उसकी सरकार को गिरा रहा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि अमेरिका का हाथ उसकी सरकार को हटाने में था। अभी हटा सत्ताधीश युनूस बाबू तो अमेरिका का ही भेजा हुआ था। पिछले लम्बे अरसे से अमेरिका ईरान सरकार को हटा कर वहां अपनी समर्थक सरकार बनाना चाहता था। लेकिन उसमें सफल नहीं हो रहा था। इजराइल के युद्ध का लाभ उठा कर उसने ईरान में भी तख्ता पलट का अवसर देखा और उसमें कूद पड़ा है।

वैसे यह भी कहा जा रहा है कि इजराइल ने उसे फंसा लिया है। लेकिन लगता यह भी है कि अमेरिका ने मौका देख ईरान में भी अपना आदमी बिठा देने का काम निपटा लेना चाहा हो। अमेरिका में ट्रम्प के समय में केवल इतना परिवर्तन हुआ है कि पहले वह यह काम पर्दे के पीछे रह कर करता था, अब वह सामने आकर और खुले में करता ही नहीं, बल्कि कहता भी है कि उसे जो व्यक्ति स्वीकार्य होगा, वही ईरान की सत्ता सम्भाल सकता है। अलबत्ता अमेरिका को किसी देश का कोई शासक पसन्द न हो तो वह उसे मारने या अपहरण कर लेने के अपने अधिकार और उसके क्रियान्वयन की घोषणा भी करता है। इसका ताजा उदाहरण ईरान में अमेरिकी आक्रमण ही है। लेकिन लगता है लड़ाई का यह स्क्रिप्ट उस प्रकार से अभिनीत नहीं हो रहा जिस प्रकार अमेरिका ने इसे लिख रखा था। सबसे पहली गड़बड़ तो यह हो गई कि जिस सत्ता को वह ईरान से उखाडऩा चाहता था, उसका प्रशासनिक ढांचा कितना गहरा था, शायद अमेरिका को उसका अंदाजा नहीं था। उसने सोचा था खामेनेई को मारने से वहां शून्य व्याप्त हो जाएगा, लेकिन वहां ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका की इच्छा या आशा थी कि यूरोप इसमें अमेरिका के पक्ष में आ जाएगा। लेकिन उसकी यह आशा पूरी नहीं हुई। वहां आंतरिक झगड़े ज्यादा प्रबल दिखाई दे रहे हैं। सबसे बड़ी बात, ईरान ने बड़ी ही सधी हुई रणनीति से, अमेरिका समर्थक अरब देशों पर भी एक साथ हमला कर दिया। उसने एक तीर से कई निशाने साध लिए हैं। अरब देशों को संदेश दे दिया कि अमेरिका तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकता। यदि शान्ति से रहना चाहते हो तो ईरान का सुरक्षा कवच स्वीकार कर लो। अब इस्लाम पंथ का नाम जपने वाले देश शिया पंथ वाले ईरान का वर्चस्व स्वीकार कर लें, इससे कड़वा घूंट तो मुसलमानों के लिए हो ही नहीं सकता। मान लो लम्बी लड़ाई में ईरान हार भी जाता है और अमेरिका इस्लाम पंथ के धारक अरब देशों की रक्षा भी कर लेता है, तब भी ईरान को शहीद का दर्जा प्राप्त होगा। शिया पंथ के इतिहास में एक और अध्याय दर्ज हो जाएगा।

और अरब देशों को बकौल ईरान 'शैताने बुजुर्ग' अमेरिका की गोद में चले जाने का सबब प्राप्त रहेगा। इतिहास में अरब देशों के लिए इससे ज्यादा शर्मिंदगी की वजह और क्या हो सकती है। इसका एक परिणाम तो किसी न किसी रूप में सामने आने ही लगा है। कुछ अरब देश अमेरिका के रुतबे और उसकी क्षमताओं पर संदेह करने लगे हैं। वे सुरक्षा के लिए दूसरे कवचों की तलाश करने लगे हैं। सबसे बड़ी बात रूस की। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन के युद्ध में फंसा रखा है। वह युद्ध उसके गले की फांस बन गया है। अब रूस को अमेरिका के गले में हड्डी फंसा देने का सुनहरी अवसर प्राप्त हो गया है। वह जितना हो सकता है, उतनी विविध प्रकार से मदद ईरान की कर रहा है। यदि यूक्रेन चार साल से रूस से लड़ रहा है तो ईरान अमेरिका से क्यों नहीं लड़ सकता? रूस यह जानता है। लेकिन इस पूरी लड़ाई का एक दूसरा पहलू भी है। इस लड़ाई से जो ऊर्जा संकट हो रहा है, उसमें पूरा यूरोप और एशिया फंसता दिखाई दे रहा है। एक तो लड़ाई के कारण कच्चे तेल का उत्पादन कम हो रहा है, दूसरा जो निकल भी रहा है, उसे दूसरे देशों तक पहुंचाया कैसे जाए?

लड़ाई आसमान के साथ समुद्र तक में फैल गई है। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेगा उसे नष्ट किया जाएगा। यकीनन इससे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। उससे भारत भी अन्य देशों की तरह ही प्रभावित है। भारत अभी तक इस युद्ध से बचा हुआ है। उसने साफ कहा है कि युद्ध से कोई समस्या हल नहीं हो सकती और आतंकवाद से भी कोई समस्या हल नहीं हो सकती। इसलिए सभी पक्षों को मिल बैठकर समस्या के हल निकालने चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से राहुल गांधी इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं। वे नित्य प्रति चिल्ला रहे हैं कि भारत को एक पक्ष बनना चाहिए। इसमें राहुल गांधी का दोष नहीं है। वे नहीं जानते कब चुप रहना चाहिए और कब बोलना चाहिए। इतना ही नहीं, कितना बोलना चाहिए और कहां बोलना चाहिए, यह भी उन्हें मालूम नहीं है। चाणक्य नीति का यह पूरा शास्त्र है। इटली में भी ऐसे अनेक दार्शनिक हुए हैं जो यह सब सिखा सकते हैं। लेकिन शर्त केवल इतनी है कि सीख कर बोलना चाहिए। राहुल गांधी बोलना चाहते हैं, लेकिन बोलने की शर्त को मानना नहीं चाहते। खुदा का शुक्र है कि इस संकट काल में उनकी पार्टी सत्ता में नहीं है, अन्यथा वह गुड़-गोबर कर देती।

(यह लेखक के अपने विचार है)

निवारक स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी भूमिका निभा रहा है योग

प्रतापराव जाधव

बीते दशक में योग को केवल पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में ही नहीं सराहा गया, बल्कि उसे उत्त रोत्तवर रूप से स्वास्थ्य और कल्याण के लिए साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के रूप में भी पहचाना जाने लगा है। वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और वैश्विक सहयोग अब हमें योग को केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि एक सशक्त जन-स्वास्थ्य हस्तक्षेप समझने में भी मदद कर रहे हैं।

मोरारजी देसाई राष्ट्री य योग संस्था न (एमडीएनआईवाई) को पारंपरिक चिकित्सा (योग) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है और योग अनुसंधान में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका और भी मज़बूती प्रदान करते हुए वर्ष 2025-2029 के लिए इसे फिर से निमित किया गया है। यह पहचान गैर-संचारी रोग (एनसीडी) के लिए साक्ष्य-आधारित योग हस्तिक्षेपों को बढ़ावा देने में संस्था न की बढ़ती भूमिका को दिखाती है। इस पहल के प्रमुख साझेदारों में आयुष मंत्रालय, एम्सा दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, और इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली शामिल हैं।

इन सहयोगों के माध्यम से केंद्र मधुमेह, मोटापा और तनाव से संबंधित विकारों जैसे गैर-संचारी रोगों के लिए योग-आधारित हस्तक्षेपों पर तकनीकी दिशानिर्देश विकसित कर रहा है और अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है। इन प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय संगठन भी साझेदारी कर रहे हैं, जिससे योग की वैज्ञानिक आधारशिला और मजबूत हो रही है तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक रूप से लागू किए जा सकने वाले, किफायती और साक्ष्य-समर्थित प्रभावी साधन के तौर पर योग की क्षमता प्रदर्शित हो रही है।

संस्थागत स्तर पर एमडीएनआईवाई योग की वैज्ञानिक आधारशिला को मजबूती प्रदान करना जारी रखे हुए है। शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन, बायोमैकेनिक्स और मनोविज्ञान की अनुसंधान प्रयोगशालाओं के माध्यम से यह संस्थान योग के मनो-शारीरिक और जैव-रासायनिक प्रभावों, उम्र बढ़ने में इसकी भूमिका तथा जीवनशैली से जुड़े विकारों पर इसके प्रभाव का अध्ययन करता है। यह कार्य पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ जोड़ने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

डिजिटल प्लेरटफॉर्मों ने योग की पहुँच को और अधिक बढ़ाया है, जिससे साक्ष्य-आधारित पद्धतियाँ सीधे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन रही हैं। एम-योग मोबाइल एप्लिकेशन और वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल जैसे प्रयास यह दिखाते हैं कि योग की प्रामाणिकता और चिकित्सकीय महत्वि बनाए रखते हुए उसे बड़े स्तर पर पहुँचाया जा सकता है। विश्वै स्वारस्य् च संगठन के सहयोग से विकसित किए गए एम-योग प्लेटफॉर्म पर 1.1 लाख से अधिक डाउनलोड दर्ज किए जा चुके हैं, जो सुलभ डिजिटल वेलनेस टूल्स में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। वहीं कार्यस्थल योग कार्यक्रम वाई-ब्रेक — जो काम के दौरान 5-10 मिनट का सरल योग ब्रेक है — से अब तक 33 लाख से अधिक सरकारी अधिकारियों को लाभ मिल चुका है।

इन पहलों से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्ष और सहभागिता विश्लेषण अत्यंत उत्साहजनक हैं। वाई-ब्रेक अभ्यास से कुछ ही सप्ताहों में अनुभूत तनाव में लगभग 40 प्रतिशत तक कमी देखी गई है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि इससे मानसिक सतर्कता, भावनात्मक दृढ़ता और निर्णय-क्षमता में सुधार होता है। इसके साथ-साथ कॉर्टिसोल स्तर जैसे शारीरिक संकेतकों में भी सकारात्मक परिवर्तन पाए गए हैं।

शारीरिक लाभों में गर्दन, कंधे और कमर के दर्द में कमी, श्वास अभ्यास से सांस लेने की क्षमता में सुधार और संपूर्ण जीवन शक्ति में वृद्धि शामिल हैं—ये परिणाम विशेषकर आज के निष्क्रिय, स्क्रीन-आधारित कार्यस्थलों में प्रासंगिक हैं। वाई-ब्रेक अभ्यास ने अनुपस्थिति में कमी लाने , कर्मचारियों के मनोबल में सुधार लाने, और कार्य-जीवन में स्वस्थ संतुलन कायम करने में भी योगदान दिया है, जो व्यक्तिगत और संगठनात्मक कल्याण दोनों को मजबूत बनाने की योग की क्षमता को दर्शाता है।

एमडीएनआईवाई और केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा सम्मेलन-2026 के दौरान भी वैज्ञानिक प्रमाण के महत्वो पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने यह रेखांकित किया कि सुदृढ़ अनुसंधान, अंतरविषयक सहयोग, और प्रभावी डिजिटल सहभागिता आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में योग को एकीकृत करने और स्प ष्टि स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य हैं।

ये घटनाक्रम योग के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं। अब इसे केवल व्यक्तिगत कल्याण के अभ्यास के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि यह उत्ततरोत्तेर रूप से जन-स्वास्थ्य, कौशल विकास और वेलनेस आधारित रोजगार के अवसरों के एक मार्ग के रूप में उभर रहा है। योग परंपरा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ते हुए ग्लोबल योग क्रांति की प्रेरक शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय वेलनेस क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को और मजबूत कर रहा है।

जैसे-जैसे हम 13 मार्च के करीब पहुँच रहे हैं, जो 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 100-दिन के काउंटडाउन का संकेत है, यह हमें इस बारे में सोचने का अवसर देता है कि किस प्रकार योग एक प्राचीन पद्धति से लेकर वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य और कल्याण मार्ग के रूप में विकसित हो गया है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

और क्या हाल हो रहे हैं...

पूरन सरमा

जैसे हर आदमी अमन चैन से जीवनयापन कर रहा हो, वे हर किसी से छूटते ही पूछते थे- 'और क्या हाल हो रहे हैं?' दु:खी आदमी अचकचा जाता था और उसकी समझ में कतई नहीं आता था कि वह उनके इस प्रश्न का क्या उत्तर दे। विवशता में कुछ लोग सब ठीक है, कहकर पिण्ड छुड़ा लेते थे। एक तरह से और क्या हाल हो रहे हैं, उनका तकिया कलाम था, जिसे वे मौके बेमौके भी काम लेते थे। दरअसल वे मेरे साथी हैं। यदि मैंने कार्यालय से अवकाश ले लिया तो मेरे घर या मोबाइल पर यह पूछना नहीं भूलते थे कि 'और क्या हाल हो रहे हैं?' चाहे मैं बीमार हूं या किसी झंझट में फंसा हूं, वे सहज रूप से मुस्कान के साथ यह तकिया कलाम पूछना नहीं भूलते थे। कई साथियों ने तो उनका नाम ही 'और क्या हाल हो रहे हैं' रख दिया था। उन्हें भी उन्हें बुलाने या देखते ही यह कहना याद आ जाता था कि और क्या हाल हो रहे हैं। वे झेंपकर यही कह पाते थे कि बस ठीक हैं। पूछने वाला यदि मजाकिया मूड में होता तो ठहाका लगाकर रह जाता था। उनका मेरा सहकर्मी होना मैं अपना सौभाग्य मानता था। कभी घर आते तो वही तकिया कलाम और मैं बाथरूम में भी होऊं तो यही हाल। मैंने उन्हें कई बार समझाया भी कि यार हालात की नाजुकता देखकर अपना तकिया कलाम स्थगित रखा करें और गाहे-बगाहे महीने-बीस दिन में इस तकिया कलाम को काम में लिया करें। मगर यह तो उनकी जबान पर चढ़ चुका था, इसलिए वे विवश व लाचार थे।

और क्या हाल हो रहे हैं, पूछकर अन्तर्धान हो जाते थे। फिर उन्हें खोजना अत्यंत जटिल था। दफ्तर में एक दिन एक जरूरी काम वाला आया तो उन्होंने उस पर (अनजाने थे) भी वही मार दिया। सामने वाला क्रोध में भुनभुनाया- 'हाल बुरे हो रहे हैं, तभी तो आपके पास आना पड़ा है। पहले, यह बताइये आपने मेरी फाइल आगे भेजी या नहीं?' वे बोले- 'मैंने ऐसा क्या अनर्थ कर दिया जो क्या हाल हो रहे हैं, पूछ लिया तो!' 'जब मैं कह रहा हूं कि मेरा काम निकाल दें तो इस हालचाल की बात क्या है?' वे कुछ नहीं कह पाये और टालने का अचूक उपाय सोचने लगे। सामने वाला भी तेज-तर्रार था, बोला- 'कहां खो गए महाशय! मुझे देखो और मेरे बदहाली पर तरस खाकर मुझे और क्या हाल हो रहे हैं, का उत्तर देने लायक बनाओ।' उनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई और वे जबरन मुस्कान के साथ बोले- 'घबराते क्यों हैं, आपका भी काम करेंगे।' सामने वाला- 'यह 'करेंगे' का कोई भविष्य नहीं है, काम आज की तारीख में कराऊंगा। टालने का मिक्चर मैं नहीं पी पाऊंगा।' इस बार वे बगलें झांककर मेरी तरफ देखने लगते तो मैंने भी सहज रूप से कह दिया 'और क्या हाल हो रहे हैं?' उन्होंने नजरें झुका लीं और मुझे कोई जवाब नहीं दे पाए। इस बार वे खड़े हुए, अलमारी खोली और एक फाइल निकालकर अपनी टेबिल पर रखकर बोले, 'ज्यादा अन्ना हजारे मत बनो, आपका नोट कल जरूर लिख दूंगा।'

उत्तरप्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उपजे असंतोष को सूझबूझ पूर्वक पाट रहे हैं योगी आदित्यनाथ!

कमलेश पांडे

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी संभालने के लिए प्रत्यक्ष बैठकें शुरू कर दी है। आरएसएस-बीजेपी समन्वय मंचों पर खुली चर्चा और जमीनी मुद्दों पर आश्वासन जैसे कदम उठाए हैं। मार्च 2026 तक गोरखपुर व कानपुर जैसी जगहों पर ये प्रयास तेज हुए। प्रत्यक्ष संवाद हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक पदों और सरकारी निकायों के पदों पर नियुक्तियों में विलंब मुख्य रूप से जातीय-क्षेत्रीय संतुलन, आंतरिक खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व के मंथन के कारण हो रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ा है, हालांकि मार्च 2026 तक बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आलम यह है कि प्रदेश के सभी 16 नगर निगम में 10-10 मनोनीत होने वाले पार्षदों की नियुक्ति अटकी पड़ी है, जबकि तीन साल बीतने को है। विभिन्न बोर्डों की भी यही स्थिति है। इससे विधानसभा चुनाव 2027 में पार्टी की रणनीति पर भी असर पड़ना लाजिमी है, क्योंकि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की रस्साकशी में कार्यकर्ताओं में निराशा है।

जहां तक विलंब के प्रमुख कारण की बात है तो जातीय एवं सामाजिक समीकरण इसकी पहली वजह है। भाजपा का ओबीसी करण होने से पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं में रोष गहराता जा रहा है। इसका असर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों और 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर अवश्य पड़ेगा। लिहाजा पार्टी इससे पहले सभी वर्गों (ओबीसी, दलित, सवर्ण, खासकर ब्राह्मण राजपूत आदि) को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में जुटी है, जिसपर प्रदेश अध्यक्ष और सरकार के मुखिया की खींचातानी से चयन अटका हुआ बताया जाता है।

वहीं पार्टी की आंतरिक गुटबाजी जैसे सांसदों-विधायकों के बीच खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व व आरएसएस के बीच वैचारिक मतभेद (चुनावी साख बनाम संगठन अनुभव) से कई पद लंबित हैं। वहीं, सरकारी पदों पर देरी यानी निगमों, बोर्डों और आयोगों के 100+ रिक्त पदों पर पार्टी-संगठन व सरकार के बीच समन्वय की कमी, साथ ही योगी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अब तक ऐसा नहीं होने से जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष स्वाभाविक है।

खासकर वफादार कार्यकर्ता कार्यगत पुरस्कार न मिलने, लगातार चुनावी मेहनत के बावजूद पद न पाने से नाराज हैं; जिसके चलते कतिपय जिलों में सामूहिक इस्तीफे तक हुए। योगी-केशव जैसे नेताओं के बीच अनबन की अटकलें भी असंतोष बढ़ा रही हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि पंकज चौधरी दिसंबर 2025 में प्रदेश अध्यक्ष बने, जिससे 70+ जिलाध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। जबकि होली के बाद मिशन-2027 के तहत नई टीम, क्षेत्रीय अध्यक्षों में बदलाव की घोषणा संभावित है, जिसके दृष्टिगत पर्यवेक्षक भेजे गए हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं के असंतोष को कम करने के लिए संगठनात्मक बदलाव, प्रत्यक्ष संवाद, प्रशिक्षण अभियान और पदों पर समायोजन जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से 2027 चुनाव की तैयारी के तहत होली के बाद अब तेज हो रहे हैं। इस निमित्त कई संगठनात्मक कदम उठाए जा चुके हैं और कुछ प्रक्रिया धीन हैं। जहां तक नई टीम के गठन की बात है तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में होली बाद बड़े फेरबदल, जिलाध्यक्षों-क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां, जातीय संतुलन बनाकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं, सरकारी पदों पर समायोजन यानी निगमों, बोर्डों, आयोगों के खाली पदों पर कार्यकर्ताओं की सूची तैयार है, और मिशन-2027 के तहत तोहफा के रूप में वितरण कार्य शेष रहने की खबर है।

संवाद एवं प्रशिक्षण प्रयास के तहत प्रत्यक्ष मुलाकातें हो रही हैं। 'कार्यकर्ता सर्वप्रथम' मंत्र से वन-टू-वन मैपिंग, वीआईपी संस्कृति खत्म कर रूठे कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद; सीएम योगी विधायकों से नियमित बैठकें कर रहे हैं।वहीं डिजिटल एवं वैचारिक प्रशिक्षण के तहत कार्यकर्ताओं को डिजिटल हथियार से लैस करने का अभियान, और बूथ स्तर पर नीतियां-कार्यपद्धति सिखाना जारी है। आरएसएस-बीजेपी में समन्वय की कोशिशें परवान चढ़ी हुई हैं।आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से योगी की मुलाकातें, कानपुर समन्वय बैठक में असंतोष मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसके दृष्टिगत आंतरिक कलह सुलझाने की कोशिश जारी है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी संभालने के लिए प्रत्यक्ष बैठकें शुरू कर दी है। आरएसएस-बीजेपी समन्वय मंचों पर खुली चर्चा और जमीनी मुद्दों पर आश्वासन जैसे कदम उठाए हैं। मार्च 2026 तक गोरखपुर व कानपुर जैसी जगहों पर ये प्रयास तेज हुए। प्रत्यक्ष संवाद हो रहे हैं। खुद योगी ने 200+ विधायकों, सांसदों व पूर्व नेताओं से अलग-अलग मुलाकातें कीं, जहां उन्होंने पार्टी की हार के कारणों (कार्यकर्ता-सरकार डिस्कनेक्ट) को सुने और विपक्षी प्रचार पर जवाब देने को कहा। साथ ही जमीनी स्तर पर समस्याओं (जैसे अस्पताल बेड) के समाधान का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री की आरएसएस से समन्वय बैठकें भी चल रही हैं। गोरखपुर (मार्च 2026) में पदाधिकारियों से मन की बात सुनकर जवाब दिए, और एआई (द्ध) युग व कैशलेस इलाज जैसे सवाल हल किए। वहीं कानपुर (मार्च 2026) में आरएसएस के साथ बैठक में कार्यकर्ता सम्मान, यूजीसी नियमों से सवर्ण असंतोष, स्थानीय विवादों पर चर्चा हुई; साथ ही अनुशासनहीनता पर कार्रवाई व बेहतरी का आश्वासन दिया। जबकि अन्य प्रयास के तहत बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि एसआईआर फॉर्म भरें, मतदाता जागरूकता कैंप लगाएं; और अफसरों से कार्यकर्ता शिकायतें दूर करने को कहा। साथ ही कार्यकर्ताओं से 'कैंडिड फीडबैक' भी लिया।

देखा जाए तो योगी आदित्यनाथ की रणनीति ने उत्तर प्रदेश भाजपा में आंतरिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर क्षेत्रीय समन्वय बैठकों और प्रत्यक्ष संवाद से। इससे कार्यकर्ताओं की नाराजगी घटी और 2027 चुनाव की तैयारी एकजुट हुई। वहीं क्षेत्रीय समन्वय बैठकें भी हुईं। योगी ने छह क्षेत्रों (अवध, काशी, गोरखपुर, कानपुर, ब्रज, पश्चिम) में आरएसएस-बीजेपी समन्वय बैठकें आयोजित कीं, जहां कार्यकर्ता शिकायतें (अधिकारियों का रवैया, सम्मान की कमी) सुनीं और तत्काल समाधान पर मंथन हुआ। साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से लखनऊ में हुई मुलाकात ने संगठन-सरकार तालमेल बढ़ाया, जातीय समीकरणों व यूजीसी नियम विवादों को सुलझाया।

मुख्यमंत्री और आरएसएस ने जमीनी स्तर पर एकीकरण मजबूत करने पर जोर दिया। खासकर बूथ मजबूती पर जोर देते हुए एसआईआर (स्ट्रक्र) अभियान समीक्षा, मतदाता पुनरीक्षण से कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी, वीआईपी संस्कृति खत्म कर प्रत्यक्ष फीडबैक लिया।इससे नेताओं से मुलाकातें भी तेज हुईं। योगी आदित्यनाथ 200+ विधायकों-सांसदों से अलग-अलग चर्चा करते हुए, पार्टी की कमजोरियां सुधारने का आश्वासन दिया। कानपुर बैठक में अनुशासन व सुधार पर बल दिया गया।परिणामस्वरूप एकता मजबूत हुई। इन प्रयासों से आंतरिक कलह कम हुई, नई संगठनात्मक टीम गठन संभव हुआ, और मिशन-2027 के लिए सभी वर्ग एकजुट हुए। वही 2024 चुनाव में मिले सबकों पर अमल होने से बूथ मजबूत हुआ।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कैग रिपोर्ट का खुलासा: देवप्रयाग के बाद गंगा जल आचमन योग्य नहीं, ऋषिकेश व हरिद्वार तक नहाने लायक भी नहीं

गैरसैंण 13 मार्च (एजेंसी)। राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता के लिए चल रहे केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम के बावजूद उत्तराखंड में गंगा पूरी तरह साफ नहीं हो पाई है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की उत्तराखंड में नमामि गंगे कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर केंद्रित वर्ष 2018 से 2023 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट तो इसी तरह इशारा कर रही है, जो मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र में सदन के पटल पर रखी गई।रिपोर्ट बताती है कि देवप्रयाग तक गंगा का पानी आचमन योग्य (ए श्रेणी) है, जबकि इससे आगे ऋषिकेश व हरिद्वार तक यह नहाने योग्य (बी श्रेणी) ही है।कैग ने लेखा परीक्षा में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में कई खामियों को इंगित किया है तो राज्य गंगा मिशन की कार्यशैली के साथ ही उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर भी सवाल उठाए हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में गंगा के उद्गम गोमुख से लेकर हरिद्वार तक के 16 शहरों को शामिल किया गया। इसके तहत गंगा में सीवेज और गंदे पानी को जाने से रोकने के दृष्टिगत इन शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण व गंदे नालों की टैपिंग से संबंधित

कार्य किए गए।कैग ने वर्ष 2018 से 2023 तक की अवधि तक की लेखा परीक्षा में गंगा में प्रदूषण को रोकने, नियंत्रित करने या कम करने के लिए इस कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन किया।इसमें 42 परियोजनाओं में 23 और पूर्व में बनाई गई परिसंपत्तियों के संचालन व अनुरक्षण को समाहित किया गया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि राज्य सरकार ने गंगा तट पर स्थित नगरों में पूरक सीवेज सुविधाओं में वृद्धि को धन आवंटित ही नहीं किया।यद्यपि वर्ष 2018 से 2023 के दौरान राज्य क्षेत्र योजना के अंतर्गत स्वच्छता अवसरंचना तैयार करने को 55.08 करोड़ रुपये खर्च किए।इसमें गंगा से लगे 16 नगरों में नमामि गंगे की निधि से बने एसटीपी के साथ घरों को जोड़ने को कोई निधि नहीं दी गई। सात नगरों में तो एक भी घर एसटीपी से नहीं जुड़ा था।ये बात भी सामने आई कि ये एसटीपी सीवेज के बजाय केवल धूसर पानी का ही शोधन कर रहे थे।लेखा परीक्षा में कैग ने पाया कि देवप्रयाग तक गंगा के जल की गुणवत्ता ए श्रेणी में रही। कोरोनाकाल में (वर्ष 2020 व 2021) में ऋषिकेश में गंगा जल में ए श्रेणी तक सुधार हुआ, जो फिर से बी श्रेणी में आ गई।अलबत्ता, हरिद्वार में लेखा परीक्षा की अवधि में गंगा जल की गुणवत्ता बी श्रेणी में ही बनी रही। यही नहीं, देवप्रयाग से हरिद्वार तक 93 किलोमीटर की दूरी के बीच अक्टूबर 2023 में कालीफार्म का स्तर 32 गुना बढ़ा हुआ पाया गया।रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की देहरादून, रुड़की व काशीपुर में संचालित प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने जून 2018 में 16.21 करोड़ रुपये की परियोजना मंजूरी की थी।पांच वर्ष की इसके तहत तीनों प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने की जरूरत थी, ताकि परीक्षण और मापांकन रिपोर्ट में सटीकता व विश्वसनीयता रहे। बावजूद इसके छह वर्ष बाद भी यह मान्यता नहीं ली गई। लेखा परीक्षा में पीसीबी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रयोगशाला के परिणाम के बीच अंतर देखा गया।यह अंतर हरिद्वार के जगजीतपुर एसटीपी के परीक्षण परिणाम से सामने आया। इसी तरह की विसंगति अन्य एसटीपी के परीक्षण में भी देखी गई।नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक 985.17 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई, जिसमें से 873.17 करोड़ रुपये ही उपयोग में लाए गए। शेष 21.34 करोड़ रुपये की राशि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को वापस की गई। कोरोनाकाल में (वर्ष 2020 व 2021) में ऋषिकेश में गंगा जल में ए श्रेणी तक सुधार हुआ, जो फिर से बी श्रेणी में आ गई।अलबत्ता, हरिद्वार में लेखा परीक्षा की अवधि में गंगा जल की गुणवत्ता बी श्रेणी में ही बनी रही।

आईजीआईएमएस पटना में रोबोटिक सर्जरी का शुभारंभ, दो मरीजों का सफल ऑपरेशन

पटना, 13 मार्च [एजेंसी]। प्रदेश के सबसे बड़े मल्टी सुपरस्पेशियलिटी स्वायत्तशासी संस्थान आईजीआईएमएस के नाम मंगलवार को एक और नई उपलब्धि दर्ज हो गई।संस्थान के गैस्ट्रोइंस्टेटाइन सर्जरी विभाग में पहली बार रोबोटिक विधि से दो मरीजों की सफल सर्जरी की गई। इनमें से एक मरीज शिवहर की 26 वर्षीय महिला है, जो गत तीन वर्षों से गाल ब्लाडर स्टोन से पीड़ित थीं।

दूसरा मरीज सिवान का 55 वर्षीय व्यक्ति हैं जो हर्निया व गाल ब्लाडर दोनों समस्याओं से जूझ रहे थे। गैस्ट्रो सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। इसके साथ ही आईजीआईएमएस बिहार का पहला अस्पताल बन गया है जहां सरकारी दर पर पेट की रोबोटिक सर्जरी की जाएगी। संस्थान के निदेशक डॉ. बिन्दे कुमार, उपनिदेशक प्रो. डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा आदि ने इस उपलब्धि पर गैस्ट्रो सर्जरी टीम को बधाई देते हुए इसे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि बताई।चिकित्साधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि रोबोटिक तकनीक जटिल सर्जरी

को भी आसान, सटीक व सुरक्षित बनाती है। इससे सर्जन को ऑपरेशन के दौरान बेहतर नियंत्रण व स्पष्ट दृश्य मिलता है। इस तकनीक से सर्जरी में रक्तस्राव कम होता है और मानवीय त्रुटियों की आशंका भी कम हो जाती है। साथ ही मरीजों को कम दर्द होता है और वे सामान्य सर्जरी की तुलना में जल्दी स्वस्थ होते हैं।

फिलहाल, गैस्ट्रो सर्जरी विभाग से रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत की गई है लेकिन जैसे ही प्रशिक्षण होता जाएगा स्त्री एवं प्रसूति रोग, प्रोस्टेट-किडनी जैसी यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, आर्थोपेडिक-स्पाइन व कैंसर की भी सर्जरी रोबोटिक विधि से की जाएंगी।जीआई सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. साकेत कुमार ने बताया कि रोबोटिक प्रणाली में एआई तकनीक व थ्री-डी इमेजिंग का प्रयोग होता है।

इससे सर्जन को ऑपरेशन के दौरान शरीर के अंदर का स्पष्ट व वास्तविक समय का दृश्य दिखता है।यह तकनीक हार्निया, गाल ब्लाडर, अपेंडिक्स, छोटी व बड़ी आंत से जुड़ी सर्जरी में अधिक सटीकता व सुरक्षा प्रदान करती है। इससे जटिलताओं व जोखिम की आशंका कम हो जाती है। अब तक कई मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहर जाना पड़ता था। आईजीआईएमएस में इसके शुरू होने से प्रदेश के मरीजों को यही पर सस्ते में आधुनिक तकनीक से इलाज मिल सकेगा। उपनिदेशक प्रो. डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी बिहार के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। अन्य विभागों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने के लिए चिकित्सकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

करूर भगदड़ मामला: सीबीआई ने टीवीके प्रमुख विजय को फिर किया तलब, 15 मार्च को दिल्ली में पेशी

नई दिल्ली, 13मार्च (एजेंसी)। सीबीआई ने टीवीके प्रमुख विजय को करूर भगदड़ मामले में 15 मार्च को दोबारा तलब किया है। एजेंसी ने जनवरी में दो बार उनसे पूछताछ की थी। नौ मार्च को अभिनेता को फिर से तलब किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे 15 दिनों के लिए टालने का अनुरोध किया था। अधिकारियों के अनुसार, विजय ने राजनीतिक व्यस्तताओं का हवाला देते हुए यह भी आग्रह किया था कि पूछताछ चेन्नई या तमिलनाडु के किसी कार्यालय में की जाए। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने अब विजय को 15 मार्च को दिल्ली स्थित एजेंसी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने करूर से द्रमुक विधायक सेंथिल बालाजी को भी 17 मार्च को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। राज्य के पूर्व मंत्री बालाजी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह 17 मार्च को सीबीआई के सामने पेश होकर करूर भगदड़ त्रासदी के संबंध में अपना पक्ष रखना चाहते हैं। इस भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हुए। यह घटना 27 सितंबर, 2025 को तमिलनाडु के करूर में हुई थी।

लिव-इन रिलेशनशिप पर हाईकोर्ट का अहम फैसला: कहा- ऐसे जोड़ों को भी जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, भले ही एक साथी विवाहित हो

चंडीगढ़ , 13 मार्च [एजेंसी]। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा का अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को प्राप्त है और किसी व्यक्ति को केवल इस आधार पर इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता कि वह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा है, भले ही दोनों में से एक साथी पहले से विवाहित ही क्यों न हो। अदालत ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को जीवन और स्वतंत्रता पर खतरे की वास्तविक आशंका हो तो संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व है कि वे मामले का मूल्यांकन कर आवश्यक कार्रवाई करें। यह टिप्पणी जस्टिस रुपिंदरजीत चहल की एकल पीठ ने एक जोड़े द्वारा दायर याचिका का निपटारा करते हुए की। याचिका में निजी प्रतिवादियों से कथित धमकियों का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की गई थी। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षण किसी व्यक्ति की सामाजिक या वैवाहिक स्थिति पर निर्भर नहीं करता, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है।मामले में याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि वे दोनों

बालिग हैं और अपनी इच्छा से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। हालांकि महिला याचिकाकर्ता पहले से विवाहित है और उसकी पूर्व विवाह से तीन संतानें भी हैं, लेकिन इसके बावजूद दोनों साथ रह रहे हैं। उनका कहना था कि उनके इस रिश्ते का कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उनसे उन्हें नुकसान पहुंचाए जाने का खतरा है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को यह भी बताया कि उन्होंने पांच मार्च 2026 को हांसी के पुलिस अधीक्षक को एक लिखित आवेदन देकर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन अब तक उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि पुलिस को उनके आवेदन पर विचार कर आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए जाएं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी दलील दी गई कि हाई कोर्ट पहले भी कई मामलों में यह स्पष्ट कर चुका है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले वयस्कों को कानून के तहत सुरक्षा मिल सकती है, अगर उनके जीवन या स्वतंत्रता को खतरा हो। उन्होंने अदालत से कहा कि अगर पुलिस को उनके आवेदन पर विचार कर खतरे की आशंका का आकलन करने का निर्देश दे दिया जाए तो वे संतुष्ट होंगे। मामले के तथ्यों और दलीलों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने हांसी के पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे याचिकाकर्ताओं द्वारा पांच मार्च को दिए गए अभ्यावेदन की जांच करें। साथ ही यह भी आकलन करें कि याचिकाकर्ताओं के जीवन और स्वतंत्रता को किसी प्रकार का वास्तविक खतरा है या नहीं। अदालत ने कहा कि यदि जांच के बाद खतरे की आशंका पाई जाती है तो पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक और उचित कार्रवाई करे।

एकजुटता ही वैश्विक अस्थिरता का एकमात्र समाधान, कीर्ति वर्धन सिंह-किंग चार्ल्स के बीच अहम पहलुओं पर विमर्श

लंदन, 13 मार्च [एजेंसी]। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने मौजूदा संघर्षों के कारण वैश्विक व्यवस्था में उत्पन्न व्यवधानों को दूर करने के लिए एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक देशों का यह सबसे बड़ा समूह (राष्ट्रमंडल) अपने संसाधनों को साझा कर भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकता है।लंदन में आयोजित 26वीं राष्ट्रमंडल विदेश मंत्रियों की बैठक (सीएफएएमएम) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल देशों की एकजुटता से ही वैश्विक अनिश्चितताएं दूर हो सकती हैं।जलवायु संरक्षण पर किंग चार्ल्स तृतीय से चर्चा अपनी यात्रा के दौरान कीर्ति वर्धन सिंह ने सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित एक विशेष रिसेप्शन में किंग चाल्स तृतीय से मुलाकात की। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग का कार्यभार संभाल रहे सिंह ने किंग चाल्स के साथ जलवायु संबंधी कार्रवाई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। मंत्री ने बताया, किंग चाल्स की पर्यावरण संरक्षण में गहरी रुचि है। उन्होंने कहा कि हमें यह कार्य इसलिए करना होगा ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को कष्ट न सहना पड़े।इस वर्ष के राष्ट्रमंडल दिवस की थीम एक समृद्ध राष्ट्रमंडल के लिए मिलकर अवसरों के द्वार खोलना विषय पर आधारित थी।वैश्विक चुनौतियों और सुधारों पर जोर कीर्ति वर्धन सिंह ने पश्चिम एशिया के संघर्षों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों को अपनी तुलनात्मक और प्रतिस्पर्धी क्षमताओं का उपयोग टिकाऊ विकास के लिए करना चाहिए।उन्होंने कहा, हम लोकतांत्रिक देशों का सबसे बड़ा समूह हैं।

भारत-अमेरिका समझौते के खिलाफ पंजाब विधानसभा में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित, सीएम भगवंत मान ने डील को बताया खतरनाक

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस समझौते की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की।उन्होंने कहा कि यह समझौता तीन कृषि कानूनों से भी ज्यादा खतरनाक है। यह पंजाब व देश के किसानों की बर्बादी का समझौता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस व्यापार समझौते के कारण देश या पंजाब का किसान अमेरिका के किसानों का मुकाबला नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व गुरु बनने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अब वे चेला बनकर रह गए हैं। पारित प्रस्ताव में पंजाब की कृषि पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताते हुए समझौते को रद करने की मांग की गई। इस दौरान भाजपा के दोनों विधायक सदन में उपस्थित नहीं थे। कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी ने भी निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया।

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि अमेरिका के साथ समझौते की जानकारी न तो संसद को दी गई और न ही किसी राज्य के साथ साझा की गई। न लोकसभा की स्टैंडिंग कमेटी से कोई सलाह ली गई और न ही सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि अमेरिका के किसानों के पास औसत 500 एकड़ जमीन है, जबकि हमारे सबसे बड़े किसान के पास भी 30 एकड़ जमीन होती है। अमेरिका के किसान अमीर हैं और उन्हें अधिक सब्सिडी मिलती है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि अमेरिका से सस्ता

सोयाबीन और मक्का आने पर हमारे फीड बनाने वालों का कारोबार खत्म हो जाएगा।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार करने आई थी, उसी तरह अमेरिकी भारतीय बाजार पर कब्जा कर लेंगे। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा लाए जाने वाले बीज कानून पर भी चिंता जताई, जिसमें किसानों के पास अपना बीज रखने का अधिकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह छोटे भारतीय बीज उत्पादकों के लिए चिंता का विषय है।

एपस्टीन फाइल का जिक्र किए बगैर मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका के हाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कौन सी कमजोरी आ गई है, जिससे ऐसा लग रहा है कि ऐसा लगता है कि व्हाइट हाउस से ही देश चल रहा है।

गर्मी शुरू होते ही चरमराई ट्रांस हिंडन की बिजली व्यवस्था, छूटे पसीने

साहिबाबाद, 13 मार्च [एजेंसी]। गर्मी शुरू होते ही ट्रांस हिंडन की बिजली कटौती चरमरा गई है। मंगलवार को भी विभिन्न इलाकों में अंधाधुंध कटौती हुई। बिन बिजली के एसी, पंखे व कूलर नहीं चलने से लोगों के पसीने छूट गए। लोग विद्युत निगम के अधिकारियों से बिजली आपूर्ति सामान्य करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। इंदिरापुरम के कई क्षेत्रों में मेंटेनेंस कार्य किए गए। इससे यहां सुबह 10 बजे से शाम करीब पांच बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। शिप्रा सनसिटी के विद्युत उपकेंद्र के फीडर-दो व नौ की लाइन का मेंटेनेंस कार्य किया गया। इससे शिप्रा सनसिटी कंपाउंड की सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक बिजली कटी। करीब चार घंटे बिजली कटौती होने से यहां के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। अहिंसा खंड स्थित विद्युत उपकेंद्र के फीडर-तीन व पांच के ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस, पेड़ों की छंटाई व जंपरों की जांच व बदलने का कार्य किया गया। इससे बालाजी सोसायटी, गुलमोहर एजेंटिका, मरकरी क्लाउड, दिव्यांश, श्याम, एंजल जुपिटर, एसपीएस सोसायटी की बिजली आपूर्ति दोपहर दो से करीब पांच बजे तक प्रभावित रही।इन सोसायटी में बिजली नहीं होने पर जेनरेटर सेट चलाकर पावर सप्लाई की गई। एंजल जुपिटर सोसायटी के महेश कुमार ने बताया कि जेनरेटर की बिजली बहुत महंगी पड़ती है। आए दिन बिजली कटौती ने परेशानी के साथ ही आर्थिक बोझ भी बढ़ा दिया है।वैशाली सेक्टर-छह में बिजनेस प्लान 2024-25 के अंतर्गत नये कंडक्टर बदलने का कार्य किया गया। इससे रामप्रस्थ की सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक करीब चार घंटे आपूर्ति प्रभावित रही। स्थानीय निवासी संतोष ने बताया कि बिन बिजली के गर्मी में पसीने छूट रहे हैं और अधिकारी के मेंटेनेंस कार्य ही खत्म नहीं हो रहे हैं।लोग विद्युत निगम के अधिकारियों से बिजली आपूर्ति सामान्य करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। इंदिरापुरम के कई क्षेत्रों में मेंटेनेंस कार्य किए गए। इससे यहां सुबह 10 बजे से शाम करीब पांच बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। शिप्रा सनसिटी के विद्युत उपकेंद्र के फीडर-दो व नौ की का मेंटेनेंस कार्य किया गया।

सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमले के मामले में नया खुलासा पाकिस्तानी यूट्यूबर हमाद का है दिल्ली-ह्ष्ट्क्र से भी कनेक्शन

साहिबाबाद, 13 मार्च [एजेंसी]। मजहबी कट्टरता के खिलाफ आवाज उठाने वाले यूट्यूबर सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमले के मामले में प्रतिदिन नई जानकारी निकलकर सामने आ रही हैं। सलीम का दिया गया आपत्तिजनक व अभद्र बयान हमले की मुख्य वजह माना जा रहा है। धमकी देने और हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तानी यूट्यूबर मोहम्मद हमाद बकराती के दिल्ली एनसीआर से भी कनेक्शन होने का दावा किया जा रहा है। उसके गुर्गे यहां सक्रिय हैं और हमाद तक सलीम के बारे में सभी जानकारी व अपडेट पहुंचा रहे हैं। इन्हीं गुर्गों द्वारा सलीम वास्तिक के लोनी के घर का पता भी हमाद तक पहुंचाया गया, इसके बाद उसने पता अपने अकाउंट पर सार्वजनिक कर सलीम की गर्दन काटने की अपील की थी। अंदेशा यह भी है कि पुलिस मुठभेड़ में मारे गए जीशान व गुलफाम ने हमाद के उकसावे में आकर ही सलीम पर जानलेवा हमला किया। जानकारी मिली है कि सलीम ने कुछ समय पहले अपने चैनल पर एक वीडियो जारी किया था। इसमें उसने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इसके बाद दो फरवरी को

पाकिस्तानी यूट्यूबर मोहम्मद हमाद बकराती ने सलीम के बारे में पहला वीडियो जारी कर भारत सरकार से उसे गिरफ्तार कर जेल में डालने की मांग की थी।उसने धमकी दी थी कि ऐसे गुस्ताखों के लिए कोई जगह नहीं है, या तो इस पर सरकार लगाम डाले, नहीं तो हम लगाम डालना जानते हैं। अगर सरकार गिरफ्तार नहीं करती तो हिंदुस्तान के मुसलमान आगे का काम करेंगे। हमाद को सलीम के घर का पता नहीं मालूम। उसने जारी वीडियो में कहा है कि हमे पता है कि सलीम दिल्ली या गाजियाबाद के आसपास कहीं रहता है। हम यहां तक पहुंच गए तो आगे भी पहुंच जाएंगे।सलीम की लोकेशन व पता वीडियो में साझा करेंगे। इसके बाद वह हमले से एक दिन पहले 26 फरवरी को एक और वीडियो जारी कर सलीम की गर्दन उड़ाने की अपील करता है और उसका पता सार्वजनिक करता है। 26 फरवरी को वह इस वीडियो को कुछ देर बाद डिलीट कर देता है और 27 फरवरी को हमले के बाद दोबारा इस वीडियो को अपलोड करता है। इसके बाद वह हमले की जिम्मेदारी भी लेता है। चार और पांच मार्च को वह मुठभेड़ में ढेर हुए जीशान और गुलफाम के फोटो लगाकर वीडियो अपलोड करता है और सलीम की हालत में सुधार वाली फोटो भी अपनी पोस्ट पर लगाता है। जीशान व गुलफाम के मारे जाने के बाद पुलिस दोनों के खोड़ा, लोनी समेत एनसीआर में कनेक्शन खंगालने में जुटी है।

दोनों किन लोगों के संपर्क में थे, उनका आर्थिक मदद कौन करता था, किनके उकसावे में आकर दोनों सलीम पर हमला किया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। दोनों का पैन नंबर नहीं मिलने के बाद पुलिस अब फंडिंग का पता लगाने के लिए बैंक खातों की जांच के डिलीट कर देता है

मार्च 2027 तक बस्तर से केंद्रीय बलों की होगी वापसी:सदन में गृहमंत्री बोले-31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्मे का लक्ष्य, 7,721 करोड़ का पुलिस-बजट

रायपुर,13 मार्च [एजेंसी]। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, बस्तर क्षेत्र में तैनात अधिकांश केंद्रीय बलों को 31 मार्च 2027 तक वापस बुला लिया जाएगा। राज्य में सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की गई है।

विजय शर्मा ने यह जानकारी मंगलवार को विधानसभा में अपने विभाग की बजट अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए दी।2027 तक केंद्रीय बलों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्यविजय शर्मा ने सदन में कहा कि, जब 31 मार्च 2026 को सशस्त्र नक्सलवाद के समापन की तिथि तय की गई, उसी समय यह भी निर्णय लिया गया था कि, 31 मार्च 2027 तक बस्तर में तैनात केंद्रीय बलों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।उन्होंने कहा कि कुछ केंद्रीय बल इससे पहले भी वापस जा सकते हैं। बैठकों में यह सहमति बनी है कि 31 मार्च 2027 को एक तय समय सीमा मानकर चलें, हालांकि इसमें थोड़ा आगे-पीछे भी हो सकता है।पुलिस विभाग के लिए 7,721 करोड़ का बजट

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पुलिस विभाग के मुख्य बजट में कुल 7,721.01 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास करने वाले वामपंथी उग्रवादी नक्सली कैडर के लिए केंद्र की पुनर्वास नीति के तहत सावधि जमा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 38 करोड़ रुपए का प्रावधान

रखा गया है।नक्सल प्रभावित इलाकों में नए थाने और पद

विजय शर्मा ने बताया कि, नक्सल प्रभावित जिलों में 15 नए थानों की स्थापना के लिए 975 नए पद सृजित किए जाएंगे। इसके साथ ही 8 पुलिस चौकियों को थाने बनाने के लिए 337 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। वहीं कम बल स्वीकृत वाले 21 थानों में अतिरिक्त बल बढ़ाने के लिए 870 नए पदों का प्रावधान किया गया है।जेलों में प्रिजन कॉलिंग सिस्टम की तैयारी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य की 16 जेलों में 'प्रिजन कॉलिंग सिस्टम' स्थापित करने के लिए 1.05 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इससे बंदी अपने परिजनों और अधिवक्ताओं से वॉयस या वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत कर सकेंगे।भूपेश बघेल ने भी रखी अपनी बातइससे पहले चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने कहा कि, हर कोई चाहता है कि नक्सलवाद समाप्त हो और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित हो। उन्होंने कहा कि सरकार बार-बार दावा कर रही है कि, 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म हो जाएगा।

बघेल ने कहा कि 31 मार्च में अब केवल 21 दिन शेष हैं। उम्मीद है कि इसके बाद अर्धसैनिक बलों की वापसी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद 31 मार्च को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर इसका जश्न मनाया जाना चाहिए। बस्तर के विकास का लाभ मुख्य रूप से स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए।कटौती प्रस्ताव खारिज, अनुदान मांगें मंजूर

चर्चा के बाद भूपेश बघेल ने कटौती प्रस्ताव पर मत विभाजन की मांग की। कटौती प्रस्ताव बजट में पेश की गई किसी विशेष अनुदान राशि को कम करने के लिए लाया जाने वाला विधायी प्रस्ताव होता है।

मत विभाजन में प्रस्ताव के विरोध में 37 और पक्ष में 24 वोट पड़े, जिसके बाद कटौती प्रस्ताव निरस्त हो गया। इसके बाद सदन ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विभागों की अनुदान मांगों को मंजूरी दे दी।

अग्निवीर भर्ती के लिए 13 फरवरी से आवेदन:1 अप्रैल फॉर्म भरने की लास्ट डेट, जिले में 8 जगहों पर हेल्प डेस्क

रायपुर 13 मार्च [एजेंसी]। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 1 अप्रैल 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के लिए आवेदन के माध्यम से 13 फरवरी 2026 से लिए जा रहे हैं। इस भर्ती प्रक्रिया में 17 वर्ष 6 महीने से 21 वर्ष तक आयु वर्ग के युवा आवेदन करने के पात्र हैं। पद के अनुसार, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास से लेकर स्नातक या डिप्लोमा उत्तीर्ण तक निर्धारित की गई है। जिले के युवाओं को आवेदन प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए ब्लॉक स्तर पर व्यवस्था की गई है।आवेदन में मदद के लिए ब्लॉक स्तर पर व्यवस्थाअभ्यर्थी रोजगार कार्यालय, नगरीय निकाय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, शासकीय महाविद्यालय, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), जनपद पंचायत और नगर पंचायतों में जाकर ऑनलाइन आवेदन से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर भर्ती प्रक्रिया का लाभ उठाएं।

24 घंटे में दो लूटकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद, 13 मार्च (एजेंसी) । जिले की पिथौरा और सांकरा थाना क्षेत्र में हुई लूट की दो अलग-अलग घटनाओं का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी मुकेश यादव उर्फ मुंडा (19) निवासी संजय नगर, सरायपाली को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू और वारदात के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए गए हैं। वहीं घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा लगातार की जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिलेभर में नाकाबंदी कर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए तथा तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इसी दौरान मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।जानकारी के मुताबिक पहली घटना 8 मार्च 2026 की रात ग्राम टेका स्थित एचपी टेका फ्यूल्स पेट्रोल पंप में हुई। उस समय कर्मचारी हेमंत साहू (25) निवासी ग्राम डुमरपाली ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान पल्सर मोटरसाइकिल से पहुंचे तीन अज्ञात युवकों ने चाकू दिखाकर कर्मचारी को डराया-धमकाया और उसके पास रखे 36,500 रुपये नकद तथा करीब 5 हजार रुपये कीमत का रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर थाना पिथौरा में धारा 309(4) और 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।इसी बीच दूसरी घटना थाना सांकरा क्षेत्र के ग्राम लोहरीनडोंगेरी में सामने आई, जहां तीन अज्ञात आरोपियों ने ग्रामीण सिलेश्वर सहिस को रोककर उससे 500 रुपये नकद और दो पुराने मोबाइल फोन लूट लिए। लूटे गए मोबाइल फोन की कुल कीमत करीब 18 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में थाना सांकरा में धारा 309(4) और 3(5) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया।दोनों मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपियों के बारे में अहम सुराग जुटाए। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर दोनों वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।पुलिस ने बताया कि फरार दोनों आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

दाउद राइस मिल को किया गया ब्लैक लिस्ट

कोंडागांव, 13 मार्च (एजेंसी)। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में कस्टम मिलिंग कार्य में लापरवाही पर दाउद एग्रो राइस मिल को कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने ब्लैक लिस्ट कर दिया है। खाद्य विभाग से मिली जानकारीनुसार खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में धान के कस्टम मिलिंग के लिए केशकाल स्थित दाऊद एग्रो राइस मिल को 27 दिसंबर 2025 को अनुमति जारी की गई थी। अनुमति के पश्चात मिलर को जिला विपणन अधिकारी कोंडागांव के साथ अनुबंध कर बैंक गारंटी जमा करते हुए धान का उठाव करना था,

बलरामपुर में भाजपा नेता की निगरानी में अफीम की खेती:5 एकड़ में फूलों की आड़ में उगा रहे थे, झारखंड से बुलाए गए मजदूर

दुर्ग/बलरामपुर13 मार्च [एजेंसी]। दुर्ग के बाद अब बलरामपुर में भी अफीम की खेती पकड़ाई है। बलरामपुर के त्रिपुरी क्षेत्र के सरनाटोली गांव में करीब 5 एकड़ जमीन पर अफीम की फसल मिली है। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि आज रायपुर से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और फोरेंसिक टीम जांच के लिए पहुंचेगी।पुलिस ने खेतों में काम कर रहे झारखंड के पांच लोगों को हिरासत में लिया है और मुख्य सरगना की तलाश की जा रही है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में चीरे लगे अफीम के डोडे सूखते मिले, जिनमें से करीब पांच बोरी डोडा जब्त किया गया है।स्थानीय लोगों के मुताबिक झारखंड के एक व्यक्ति ने जशपुर के ग्राम राझाडीपा निवासी भाजपा नेता और पूर्व सरपंच जिरमल राम के जरिए किसानों से संपर्क कर जमीन लीज पर ली थी। फूलों की खेती का झांसा देकर वहां अफीम उगाई जा रही थी। सरगना गांव नहीं आता था, जबकि खेती की देखभाल के लिए झारखंड से लोगों को बुलाया गया था और खेत की निगरानी जिरमल राम करता था।वहीं कांग्रेस ने इस मामले में जांच टीम गठित की है जो इलाके का दौरा कर लोगों से बात करेगी और अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी।

दुर्ग में अफीम की खेती पर हुई कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। कुसमी आशीष कुंजाम, पुलिस और प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आसपास के लोगों से पूछताछ की।स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि, उन्हें अफीम उगाने की जानकारी थी,

लेकिन यह नहीं पता कि यह अवैध है। दुर्ग में विनायक ताम्रकार के खिलाफ अफीम की खेती किए जाने पर कार्रवाई हुई तो हमें पता चला कि यह गैर कानूनी है। इसके बाद थाने में सूचना दी।जहां अफीम की फसल मिली वह इलाका झारखंड से लगा हुआ है। खेत गांव के रूपदेव भगत और कौशल भगत का है। जमीन को किराए पर लेकर झारखंड के लोगों ने अफीम लगाई है। वह खेत से कुछ दूर फॉरेस्ट की तरफ से चूहीदाह नाले में बनाए गए स्टाप डेम से पंप लगाकर सिंचाई करते थे।जांच के बाद नष्ट की जाएगी फसलबलरामपुर एसपी वैभव बैंकर ने बताया है कि जिला प्रशासन ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ह्रष्टक्र) और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्नस्रु) की टीम को भी सूचित कर दिया है। आज विशेषज्ञों की उपस्थिति में पौधों के सैंपल लिए जाएंगे और वैज्ञानिक पुष्टि के बाद पूरी फसल को नष्ट किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस एक्ट) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।तीन ओर से पहाड़ियों से घिरा है खेतत्रिपुरी गांव के सरनाटोली में जहां अफीम की खेती की गई है, वह तीन ओर से पहाड़ियों से घिरा है। पास ही वनविभाग द्वारा नाले में डैम बनाया गया है। इसके अलावा जिन दो किसानों रूपदेव भगत और कौशल भगत की जमीनें लीज पर ली गई थीं, उनमें सोलर पंप भी लगा हुआ है।पुलिस को दी गई थी सूचना

ग्रामीणों ने बताया कि इस इलाके में लोगों का आना जाना कम होता था। जनवरी में कुछ लोग डैम के पास पिकनिक मनाने पहुंचे थे तो अफीम में फूल लगे थे और कुछ में डोडे भी आ गए थे। ग्रामीणों को बताया गया कि यह फूलों की खेती है।

पंचायत के सरपंच ने फेकूंदर नाग ने बताया कि जनवरी में ग्रामीणों ने फसल की कुछ फोटो भेजी थी, जिसे उन्होंने कुसमी पुलिस के मुंशी को भेजा था और फोन भी किया था। पुलिस वालों ने कहा कि ठीक है दिखवाते हैं। इसके बाद भी पुलिस अफीम के खेतों तक नहीं पहुंची।भूपेश बोले- सरकार के संरक्षण में हो रहा कारोबारदुर्ग के बाद बलरामपुर में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भाजपा सरकार पर हमलावर हैं।

रामानुजगंज में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से 5 वर्षीय मासूम की मौत, आरोपी चालक गिरफ्तार

रामानुजगंज, 13मार्च (एजेंसी)। शहर में मंगलवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। शिव चर्चा भवन के पास बस स्टैंड जाने वाली सड़क पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बच्चे ने इलाज के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और सदमे का माहौल है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बस स्टैंड की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क किनारे मौजूद 5 वर्षीय बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप की रफ्तार काफी तेज थी और बच्चा सड़क के किनारे था, इसके बावजूद वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।बताया जा रहा है कि बच्चा नदी से नहाकर अपने घर जा रहा था। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चे को तत्काल 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज पहुंचाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बच्चे के सिर में गंभीर चोट पाई। हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय बलरामपुर रेफर किया गया, जहां से स्थिति नाजुक होने पर बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि अंबिकापुर ले जाने के दौरान प्रतापपुर के पास रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया।

मृतक बच्चे की पहचान लक्ष्मण सोनी (5 वर्ष), पिता गणेश सोनी, निवासी वार्ड क्रमांक 3 रामानुजगंज के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद दयनीय है।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं रिंग रोड क्षेत्र में भी गहरा शोक छा गया। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि कुछ देर पहले तक बच्चा अपने साथियों के साथ खेल रहा था, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और फरार पिकअप चालक को रामचंद्रपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।बताया जा रहा है कि बच्चा नदी से नहाकर अपने घर जा रहा था। स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चे को तत्काल 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज पहुंचाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बच्चे के सिर में गंभीर चोट पाई। हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय बलरामपुर रेफर किया गया, जहां से स्थिति नाजुक होने पर बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि अंबिकापुर ले जाने के दौरान प्रतापपुर के पास रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया।मृतक बच्चे की पहचान लक्ष्मण सोनी (5 वर्ष), पिता गणेश सोनी, निवासी वार्ड क्रमांक 3 रामानुजगंज के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद दयनीय है।

कमरे से आई लड़ाई की आवाज, कुछ देर बाद युवक-युवती की मिली लाश

दंतेवाड़ा, 13 मार्च (एजेंसी)। शहर में एक युवक और युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों एक किराए के मकान में साथ रह रहे थे और रविवार शाम फांसी के फंदे पर लटके मिले। जानकारी के अनुसार युवक गीदम ब्लॉक के मड़से गांव का रहने वाला था। जबकि युवती गीदम के नयापारा की बताई जा रही है। घटना से पहले घर के अंदर से झगड़े और बहस की आवाजें सुनाई देने की बात सामने आई है। कुछ देर बाद अचानक आवाजें बंद होने पर पड़ोसियों को शक हुआ। पर्दा हटाकर देखने पर दोनों फंदे पर लटके मिले, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। परिवार और परिचितों से पूछताछ के बाद ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

चम्मच को भी चोरों ने नहीं छोड़ा, वारदात में शामिल सभी शातिर पकड़ाए

बिलासपुर, 13 मार्च (एजेंसी)। आर्य समाज धर्मशाला में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से ताम्बे का बर्तन, पूजा सामाग्री सहित घरेलू सामान बरामद किया गया है। आरोपियों में तीन नाबालिग हैं। सरकंडा पुलिस ने बताया कि डीएलएस कॉलेज के पास आर्य धर्मशाला न्यास दयानंद सेवाधाम सरकंडा निवासी वेद आर्य पिता योगेन्द्र कुमार (25) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि होली त्यौहार के कारण धर्मशाला में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम सक्ती गए थे। 7 मार्च को सुदर्शन जायसवाल ने फोन कर बताया कि धर्मशाला का ताला टूटा हुआ है। तब पीड़ित वेद धर्मशाला आकर देखा तो धर्मशाला के स्टोर रूम में रखे ताम्बे का बर्तन प्लेट, ग्लास चम्मच, लोटा, ताम्बे की पूजा सामाग्री, साउंड बॉक्स, कपड़ा, सफाई का सामान करीब 40 हजार रुपए चोरी हो गई थी। किसी अज्ञात चोर ने ताला तोडक़र सामान को पार कर दिया था। इस मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने संदेही निखिल साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। तब उसने अपने तीन नाबालिक साथियों के साथ मिलकर चोरी करने की बात स्वीकार की।

नागलोक क्षेत्र में ईब नदी से खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण पर की जा रही निरंतर कार्यवाही

जशपुरनगर 13 मार्च (एजेंसी)। समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर नागलोक में रेत का अवैध उत्खनन जोरो पर के संबंध में खनिज विभाग द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि तहसील फरसाबहार के नागलोक क्षेत्र में ईब नदी से खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की जांच दौरान 09 फरवरी 2026 को ईब नदी से रेत निकाल कर स्टाक किये गये 960 घनमीटर रेत अभय कन्स्ट्रक्शन, जशपुर से जप्त कर खान और खनिज अधिनियम 1957, की धारा 21 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। तहसील फरसाबहार में ईब नदी पर ग्राम बलुवाबहार में रेत खदान स्वीकृत है।ईब नदी में ग्राम दाईजबहार 1.000 हेक्टेयर, ग्राम खारीबहार 4.000 हेक्टेयर तथा ग्राम बरकसपाली 3.000 हेक्टेयर रेत खदान घोषित कर निविदा आमंत्रण सूचना जारी किया जाकर रेत खदान स्वीकृति की कार्यवाही की जा रही है।

छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

जगदलपुर, 13 मार्च (एजेंसी)। कुम्हरावंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण अंचल में महिलाओं के बीच शिक्षा के प्रति अलख जगाने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अत्यंत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिसके माध्यम से उन्होंने गाँव की महिलाओं को शिक्षा के महत्व से रूबरू कराया और बेटियों को शिक्षित करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरएस नेताम उपस्थित रहे, जिनके मार्गदर्शन में छात्रों ने सामाजिक जागरूकता का यह अभियान चलाया। कार्यक्रम की सफलता में मातृ शक्ति के रूप में डॉ. सोनाली कर के साथ-साथ डॉ. पदमाक्षी ठाकुर, डॉ. चेतना खांडेकर, डॉ. विनीता पांडेय, डॉ. गुंजा ठाकुर, सोमा बंछोर, शालिनी मिश्रा और ऋचा धुरंधर ने अपनी विशेष भागीदारी सुनिश्चित की। इन महिला विशेषज्ञों ने ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के अधिकारों और उनकी प्रगति पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. एके ठाकुर,डॉ आरआर कंवर ,डॉ. पीके सलाम और एमबी तिवारी सहित महाविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

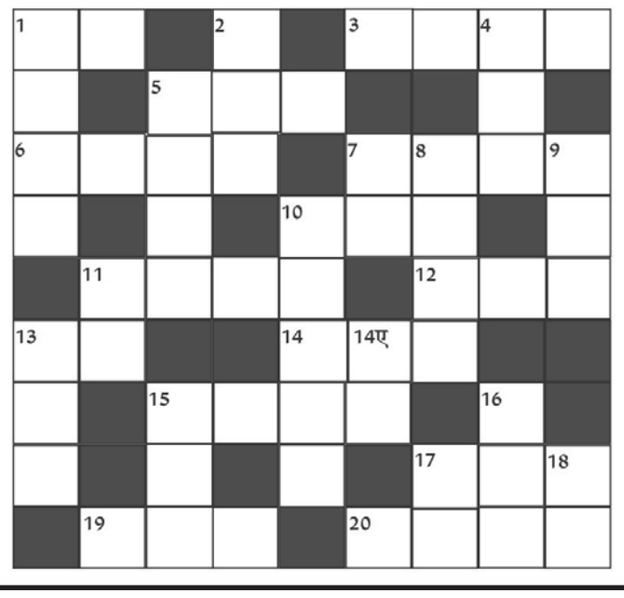

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

टी-20 विश्व कप खिताब जीतने पर भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये की राशि देगा बीसीसीआई

नईदिल्ली,13 मार्च। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता। इस खिताबी जीत के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इनामी राशि की घोषणा की। बोर्ड विजेता भारतीय टीम को 131 करोड़ रुपये देगा। बता दें कि भारत ने लगातार दूसरे संस्करण में इस प्रतिष्ठित खिताब को जीतने में सफलता हासिल की है। 2024 में जब रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत विश्व विजेता बना था, तब बोर्ड ने 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी थी।

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इस घोषणा की पुष्टि की। उन्होंने कहा, क्चष्टष्ठड्ड ने टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के बाद उसे 131 करोड़ रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा, बोर्ड इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य में उनकी सफलता की कामना करता है।इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इस मेगा टूर्नामेंट के लिए इनाम पर कुल 123.77 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है।

पिछले संस्करण में उसने 93 करोड़ रुपये की राशी खर्च की थी। इस बार विजेता टीम भारत को पुरस्कार स्वरूप 27.50 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। इसके अलावा उपविजेता टीम न्यूजीलैंड को भी अच्छी खासी रकम बतौर पुरस्कार मिली है। न्यूजीलैंड को फाइनल मुकाबला हारने के बाद 14.67 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी।

भारत से संजू सैमसन (89) और अभिषेक शर्मा (52) ने जोरदार शुरुआत दिलाई। नंबर-3 पर ईशान किशन ने भी अर्धशतक (54) लगाया, जबकि आखिरी ओवरों के दौरान शिवम दुबे ने 8 गेंदों में 26* रन बनाते हुए टीम को 255/5 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में न्यूजीलैंड से एलन (9), रचिन रविंद्र (1), ग्लेन फिलिप्स (5) और मार्क चैपमैन (3) दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

इस बीच साइफर्ट के अर्धशतक (52) के बावजूद न्यूजीलैंड 159 पर सिमट गई।बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने इस घोषणा की पुष्टि की। उन्होंने कहा, क्चष्टष्ठड्ड ने टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के बाद उसे 131 करोड़ रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा, बोर्ड इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य में उनकी सफलता की कामना करता है।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में इन भारतीय खिलाड़ियों ने जीते हैं 2-2 खिताब

नईदिल्ली 13 मार्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 को जीतकर इतिहास रचा था। भारत इस टूर्नामेंट को सर्वाधिक 3 बार जीतने वाला देश (2007, 2024 और 2026) बना। इसके साथ ही कुछ भारतीय खिलाड़ी एक से अधिक बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने में सफल हुए हैं। इस बीच टी-20 विश्व कप के इतिहास में 2-2 बार चैंपियन बनने वाले भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।रोहित शर्मा 2 खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। उन्होंने टी-20 विश्व कप 2007 में 3 पारियों में 144.26 की स्ट्राइक रेट से 88 रन बनाए थे। इसके बाद 2024 में उन्होंने टीम की कप्तानी करते हुए 8 पारियों में 36.71 की औसत के साथ 257 रन बनाए थे। वह 2024 के संस्करण में दूसरे सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज रहे थे। रोहित के नेतृत्व में भारत ने अजेय रहते हुए खिताब जीता था।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने 2026 के संस्करण का खिताब जीता। उन्होंने 2026 संस्करण में 9 पारियों में 30.25 की औसत और 136.72 की स्ट्राइक रेट के साथ 242 रन बनाए। इस बीच वह सिर्फ एक पारी में अर्धशतक लगा सके। सूर्यकुमार ने 2024 में 8 पारियों में 28.42 की औसत और 135.37 की स्ट्राइक रेट के साथ 199 रन बनाए थे। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए थे।

सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 47 रन बनाए थे।

हार्दिक पांड्या ने 2024 संस्करण में बल्लेबाजी में 8 पारियों में 48.00 की औसत और 151.57 की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए थे, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। गेंदबाजी में उन्होंने 8 पारियों में 17.36 की औसत और 7.64 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए थे। पांड्या ने 2026 में 9 पारियों में 27.12 की औसत और 160.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 217 रन बनाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 32.33 की औसत से 9 विकेट लिए।जसप्रीत बुमराह ने टी-20 विश्व कप 2024 और 2026 को जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। इस तेज गेंदबाज ने 2024 में खेले गए संस्करण में 8 पारियों में 8.26 की औसत और 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लिए थे। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। वहीं, 2026 में उन्होंने 8 पारियों में 12.42 की औसत और 6.21 की इकॉनमी रेट से 14 विकेट लिए।अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव भी 2-2 बार खिताब जीत चुके हैं। इनमें से सैमसन को 2024 के संस्करण में एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद 2026 में उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने इस संस्करण में 321 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज सिराज ने 2026 में सिर्फ एक मैच खेला और 2024 में 3 मैचों में हिस्सा लिया था।सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने 2026 के संस्करण का खिताब जीता। उन्होंने 2026 संस्करण में 9 पारियों में 30.25 की औसत और 136.72 की स्ट्राइक रेट के साथ 242 रन बनाए। इस बीच वह सिर्फ एक पारी में अर्धशतक लगा सके। सूर्यकुमार ने 2024 में 8 पारियों में 28.42 की औसत और 135.37 की स्ट्राइक रेट के साथ 199 रन बनाए थे। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए थे।

टी-20 विश्व कप 2026 में इन ऑलराउंडर्स ने किया कमाल का प्रदर्शन

नईदिल्ली,13मार्च (एजेंसी)। क्रिकेट के खेल में ऑलराउंडर टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। भारतीय टीम में भी हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे उपयोगी ऑलराउंडर मौजूद हैं, जिनके प्रदर्शन के दम पर टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता। इस संस्करण में विश्व के कुछ ऑलराउंडर्स ने अपनी-अपनी टीमों के लिए उम्दा प्रदर्शन किया। इस बीच टी-20 विश्व कप 2026 में उम्दा प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर्स के बारे में जानते हैं।पांड्या ने इस संस्करण के सभी 9 मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें बल्लेबाजी में उन्होंने 9 ही पारियों में 27.12 की औसत और 160.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 217 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 32.33 की औसत और 8.81 की इकॉनमी रेट के साथ 9 ही विकेट लिए। उन्होंने नई गेंद के साथ पावरप्ले ओवरों में और पुरानी गेंद से डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी की।

भारतीय ऑलराउंडर दुबे ने इस संस्करण में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने 39.16 की औसत और 169.06 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। इसमें नीदरलैंड के खिलाफ सिर्फ 31 गेंदों पर 66 रन की तूफानी पारी भी शामिल है। गेंदबाजी में उन्होंने सिर्फ 10.2 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 5 विकेट चटकाए। हालांकि, गेंदबाजी में वह महंगे साबित हुए और उनकी इकॉनमी रेट लगभग 14 की रही।वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने गेंदबाजी में इस संस्करण में 8.86 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए। उन्होंने स्कॉटलैंड (3/30) और नेपाल (4/27) के खिलाफ ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में उन्होंने इंग्लैंड (17 गेंदों पर 33 रन), दक्षिण अफ्रीका (31 गेंदों पर 49 रन), और भारत (22 गेंदों पर 37* रन) के खिलाफ उपयोगी पारियां खेलीं। उन्होंने 35.25 की औसत और 174.07 की स्ट्राइक रेट से 141 रन अपने नाम किए। इंग्लैंड के विल जैक्स ने एक टी-20 विश्व कप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच (4) जीतने के शेन वॉटसन के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इस संस्करण में उन्होंने मैच फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई और 8 पारियों में 56.50 की औसत और 176.56 की स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 21.66 की औसत से 9 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने 9.75 की इकॉनमी रेट से रन खर्च किए।भारतीय ऑलराउंडर दुबे ने इस संस्करण में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने 39.16 की औसत और 169.06 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। इसमें नीदरलैंड के खिलाफ सिर्फ 31 गेंदों पर 66 रन की तूफानी पारी भी शामिल है। गेंदबाजी में उन्होंने सिर्फ 10.2 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 5 विकेट चटकाए। हालांकि, गेंदबाजी में वह महंगे साबित हुए और उनकी इकॉनमी रेट लगभग 14 की रही।वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने गेंदबाजी में इस संस्करण में 8.86 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए।

आईपीएल 2026 : मैथ्यू हेडन को गुजरात टाइटंस ने बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया

नईदिल्ली,13 मार्च (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी संस्करण की शुरुआत 28 मार्च से होनी है, जिसके पूरे शेड्यूल की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। इस बीच गुजरात टाइटंस (जीटी) फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 से ठीक पहले मैथ्यू हेडन को बतौर बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हेडन आईपीएल में 32 मैचों में खेल चुके हैं और अब कोच की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।जीटी के क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने इस नियुक्ति पर कहा, मैथ्यू हेडन की नियुक्ति हमारी यात्रा के एक अहम पड़ाव पर हुई है। एक फ्रेंचाइजी के तौर हम लगातार अपने क्रिकेटिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सबसे ऊंचे स्तर पर उनका अनुभव, और उभरती हुई प्रतिभा को मार्गदर्शन करने की उनकी काबिलियत, आने वाले सीजन में हमारे बल्लेबाजों के काम आएगी।हेडन आईपीएल में 3 संस्करण में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 32 पारियों में 36.90 की औसत और 137.51 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,107 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 93 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 8 अर्धशतक लगाए थे। वह सीएसके की ओर से एक खिताब (2010) जीत चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2010 के फाइनल में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 17 रन बनाए थे।जीटी से पहले हेडन पाकिस्तान के साथ कोचिंग कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया में 2022 के टी-20 विश्व कप फाइनल के दौरान वह पाकिस्तानी टीम के मेंटर भी थे। आईपीएल 2025 में जीटी ने 14 मैचों में से 9 में जीत दर्ज की थी, जबकि 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह एलिमिनेटर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई थी। जीटी ने लीग चरण के समापन पर 18 अंक के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था। रिटेन किए गए खिलाड़ी: अनुज रावत, ग शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर।

व्यापार

चैटजीपीटी को टक्कर देने वाली कंपनी का धमाका, अब घर बैठे फ्री में सीखें एआई के ये धांसू कोर्स

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसी)। अगर आप भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में अपना करियर बनाने का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद शानदार खुशखबरी है। एआई एलएलएम मॉडल 'क्लॉड' बनाने वाली मशहूर कंपनी एंथ्रोपिक ने यूजर्स के लिए अपना खजाना खोल दिया है। कंपनी ने लोगों को एआई के साथ काम करने का बेहतरीन तरीका सिखाने के लिए कई सारे ऑनलाइन एआई कोर्स बिल्कुल फ्री में लॉन्च कर दिए हैं। इस बड़ी पहल का सीधा मकसद स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और आम लोगों को बिना एक भी पैसा खर्च किए प्रैक्टिकल एआई स्किल्स सिखाकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है।एंथ्रोपिक एकेडमी की शानदार शुरुआत, अपनी स्पीड से करें पढ़ाईकंपनी ने इस फ्री ट्रेनिंग प्रोग्राम को 'एंथ्रोपिक एकेडमी' नाम के एक नए लर्निंग प्लेटफॉर्म के तहत शुरू किया है। इस प्लेटफॉर्म को एक सेंट्रल हब के तौर पर डिजाइन किया गया है, जहां यूजर्स बिना कोई भारी-भरकम फीस दिए सीधे एआई ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा बन सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह से एक ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम पर आधारित है, जिसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यूजर्स अपनी सुविधा और स्पीड के हिसाब से जब चाहें तब पढ़ाई कर सकते हैं। यह प्रोग्राम स्टूडेंट्स, टीचर्स और डेवलपर्स को एआई टूल्स का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना सिखाएगा।कोर्स पूरा करने पर मिलेगा कंपनी का सर्टिफिकेट, करियर को मिलेगी नई उड़ानइन फ्री कोर्सेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पढ़ाई पूरी होने के बाद कंपनी की तरफ से आपको एक शानदार सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इस सर्टिफिकेट को आप अपनी एआई प्रोफेशनल स्किल्स के तौर पर अपने रिज्यूमे या लिंक्डइन प्रोफाइल पर दिखा सकते हैं, जिससे आपको नौकरी पाने में बड़ी मदद मिलेगी। कंपनी का साफ कहना है कि आज के समय में एआई हर इंडस्ट्री की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है,

इसलिए उनका मुख्य लक्ष्य एआई एजुकेशन की पहुंच को हर आम इंसान तक आसान बनाना है।बिगिनर्स से लेकर डेवलपर्स तक, पैराग्राफ में समझिए कौन-से कोर्स हैं उपलब्धकंपनी ने बिगिनर्स से लेकर एडवांस डेवलपर्स तक, सभी के स्किल लेवल को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग लर्निंग ट्रैक डिजाइन किए हैं। इनमें सबसे पहला 'क्लाउड 101' कोर्स है, जो उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो बिल्कुल शुरुआत से समझना चाहते हैं कि क्लाउड आखिर काम कैसे करता है।

इसके अलावा एजुकेटर्स, स्टूडेंट्स और नॉन-प्रॉफिट संस्थाओं के लिए 'एआई फ्लूएंसी' नाम का खास कोर्स है जो एआई के रोजमर्रा के प्रैक्टिकल इस्तेमाल पर फोकस करता है। वहीं, कोडिंग करने वाले डेवलपर्स के लिए 'बिल्डिंग विद क्लाउड एपीआई' और 'मॉडल कॉन्टेक्स्ट प्रोटोकॉल जैसे एडवांस कोर्स पेश किए गए हैं, ताकि वे मॉडल्स का सही इस्तेमाल करने के साथ-साथ बाहरी टूल्स को क्लाउड से जोड़ना भी सीख सकें।तुरंत करें फ्री रजिस्ट्रेशन, जानिए क्या है एनरोलमेंट का पूरा प्रोसेस एंथ्रोपिक की इस शानदार पहल का हिस्सा बनने के लिए आपको किसी लंबे-चौड़े प्रोसेस से नहीं गुजरना है।

इच्छुक लोग बस एंथ्रोपिक के ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल पर जाकर अपना एक फ्री अकाउंट बना सकते हैं। साइन अप की प्रक्रिया पूरी करने कर सकते हैं,

भारतीय रेलवे की माल ढुलाई से आय फरवरी में 3 प्रतिशत बढ़कर 14,572 करोड़ रुपए हुई

नई दिल्ली ,13 मार्च (एजेंसी)। भारतीय रेलवे की माल ढुलाई से आय फरवरी में सालाना आधार पर 2.97 प्रतिशत बढ़कर 14,571.99 करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से दी गई। पिछले वर्ष के इसी महीने में माल ढुलाई से प्राप्त आय 14,151.96 करोड़ रुपए थी।रेलवे मंत्रालय के अनुसार, इस महीने माल ढुलाई में पिछले वर्ष के फरवरी महीने के 132.48 मिलियन टन (एमटी) की तुलना में 3.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 137.72 मिलियन टन (एमटी) हो गई।

ट्रांसपोर्ट आउटपुट, जिसे नेट टन किलोमीटर (एनटीकेएम) में मापा जाता है, फरवरी 2026 में 4.18 प्रतिशत बढ़कर 76,007 मिलियन एनटीकेएम हो गया, जो एक वर्ष पहले 72,955 मिलियन एनटीकेएम था।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस महीने माल ढुलाई मुख्य रूप से कोयला, लौह अयस्क, तैयार इस्पात, उर्वरक, सीमेंट और कंटेनर कार्गो जैसी प्रमुख वस्तुओं द्वारा संचालित थी।दैनिक माल ढुलाई में, लौह अयस्क की लोडिंग 0.529 मीट्रिक टन से बढ़कर 0.675 मीट्रिक टन हो गई (27.6 प्रतिशत की वृद्धि), जबकि कच्चा लोहा और तैयार इस्पात की लोडिंग 0.284 मीट्रिक टन से 20.8 प्रतिशत बढ़कर 0.343 मीट्रिक टन हो गई।

सरकार ने यह भी बताया कि इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल (लौह अयस्क को छोड़कर) की लोडिंग 0.096 मीट्रिक टन से बढ़कर 0.141 मीट्रिक टन हो गई, जो 46.9 प्रतिशत की वृद्धि है।मंत्रालय के अनुसार, उर्वरक की लोडिंग 10.2 प्रतिशत बढ़कर 0.184 मीट्रिक टन हो गई, जबकि खनिज तेल और कंटेनर एक्जीक्यूटिव एंड इम्पोर्ट (ईएक्सआईएम) यातायात में 17.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

मासिक संचयी आंकड़ों से प्रमुख वस्तुओं में भी मजबूत वृद्धि देखी गई।कंटेनर यातायात की बात करें तो, इस माह के दौरान आयातित माल ढुलाई में 5.6 प्रतिशत और घरेलू कंटेनर यातायात में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच, भारतीय रेलवे ने 1,503.8 मीट्रिक टन माल ढुलाई की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 1,456.07 मीट्रिक टन से 3.28 प्रतिशत अधिक है।सरकार के अनुसार, इस अवधि के दौरान माल ढुलाई राजस्व 1.61 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि एनटीकेएम (न्यूनतम किलोग्राम) में मापी गई माल ढुलाई 1.62 प्रतिशत बढ़कर 840,000 मिलियन एनटीकेएम हो गई।आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस महीने माल ढुलाई मुख्य रूप से कोयला, लौह अयस्क, तैयार इस्पात, उर्वरक, सीमेंट और कंटेनर कार्गो जैसी प्रमुख वस्तुओं द्वारा संचालित थी।दैनिक माल ढुलाई में, लौह अयस्क की लोडिंग 0.529 मीट्रिक टन से बढ़कर 0.675 मीट्रिक टन हो गई (27.6 प्रतिशत की वृद्धि), जबकि कच्चा लोहा और तैयार इस्पात की लोडिंग 0.284 मीट्रिक टन से 20.8 प्रतिशत बढ़कर 0.343 मीट्रिक टन हो गई।सरकार ने यह भी बताया कि इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल (लौह अयस्क को छोड़कर) की लोडिंग 0.096 मीट्रिक टन से बढ़कर 0.141 मीट्रिक टन हो गई,

मिडिल ईस्ट तनाव से कीमती धातुओं में उछाल, सोना 1.70 लाख के करीब तो चांदी 3 लाख की ओर

मुंबई ,13 मार्च (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशकों ने सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) के रूप में कीमती धातुओं (सोना-चांदी) में खरीदारी का रुख किया, जिससे इस सप्ताह भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली, साथ ही व्यापक कमोडिटी बाजार में अस्थिरता भी बढ़ी। हालांकि दिन के दौरान कुछ समय कीमतों में हल्की गिरावट और मुनाफावसूली देखने को मिली, लेकिन कुल मिलाकर सोने और चांदी की कीमतों का रुझान अभी भी मजबूत और तेजी वाला बना हुआ है। एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर्स में तेजी जारी रही और कीमतें 1,65,000 रुपए के रेजिस्टेंस स्तर को पार कर 1,69,880 रुपए तक पहुंच गईं। हालांकि शुक्रवार को कारोबार के अंत में सोना लगभग स्थिर रहा और 1,61,675 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से थोड़ा कम था।वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई की डिलीवरी वाले सिल्वर फ्यूचर्स में भी तेजी का रुख जारी रहा। चांदी की कीमत 2,85,000 रुपए के स्तर को पार कर लगभग 3,00,000 रुपए के करीब पहुंच गई। बाजार में इस दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, सोना और चांदी दोनों रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंचने के बाद इनमें हल्की गिरावट देखने को मिली, जबकि आपूर्ति बाधित होने की आशंका के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया।उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण ब्रेकआउट स्तरों के आसपास ट्रेडरों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन बाजार में अधिक अस्थिरता को देखते हुए जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है।एक्सपर्ट के अनुसार, तकनीकी संकेतक बताते हैं कि सोने की कीमतों में तेजी का रुझान बना हुआ है। अगर सपोर्ट स्तर मजबूत रहता है तो सोना 1,70,000 रुपए तक पहुंच सकता है।हालांकि यदि कीमत 1,57,000 रुपए से नीचे जाती है, तो गिरावट बढ़कर 1,50,000 रुपए तक जा सकती है।एक्सपर्ट का कहना है कि 2,55,000 से 2,65,000 रुपए का दायरा चांदी के लिए मजबूत मांग क्षेत्र बन चुका है। यदि तेजी जारी रहती है तो कीमत 3,00,000 से 3,05,000 रुपए तक जा सकती है।लेकिन यदि कीमत 2,60,000 रुपए से नीचे आती है, तो कुछ समय के लिए बाजार में स्थिरता या हल्की गिरावट देखी जा सकती है।इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स मजबूत रहे और 5,158 से 5,181 डॉलर के दायरे में कारोबार करते दिखे, जो पिछले बंद स्तर 5,078 से 5,099 डॉलर से अधिक है।एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर्स में तेजी जारी रही और कीमतें 1,65,000 रुपए के रेजिस्टेंस स्तर को पार कर 1,69,880 रुपए तक पहुंच गईं। हालांकि शुक्रवार को कारोबार के अंत में सोना लगभग स्थिर रहा और 1,61,675 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से थोड़ा कम था।वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई की डिलीवरी वाले सिल्वर फ्यूचर्स में भी तेजी का रुख जारी रहा। चांदी की कीमत 2,85,000 रुपए के स्तर को पार कर लगभग 3,00,000 रुपए के करीब पहुंच गई। बाजार में इस दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, सोना और चांदी दोनों रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंचने के बाद इनमें हल्की गिरावट देखने को मिली, जबकि आपूर्ति बाधित होने की आशंका के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया।उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण ब्रेकआउट स्तरों के आसपास ट्रेडरों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन बाजार में अधिक अस्थिरता को देखते हुए

कतर के ऊर्जा मंत्री की चेतावनी, अगर युद्ध जारी रहा तो कच्चा तेल कुछ हफ्तों में 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा

नई दिल्ली ,13 मार्च (एजेंसी)। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में युद्ध कुछ दिनों तक जारी रहने से खाड़ी देशों के निर्यातकों को अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे आपूर्ति रुक जाएगी और कुछ ही हफ्तों में तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल और प्राकृतिक गैस की कीमत 40 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (मीट्रिक मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) तक पहुंच जाएगी।

कतर के मंत्री ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा,जिन देशों ने अभी तक फोर्स मेज्योर घोषित नहीं किया है, हमें उम्मीद है कि स्थिति जारी रहने पर वे अगले कुछ दिनों में ऐसा करेंगे। खाड़ी क्षेत्र के सभी निर्यातकों को फोर्स मेज्योर घोषित करना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें किसी न किसी बिंदु पर कानूनी रूप से उस दायित्व का भुगतान करना होगा, और यह उनकी पसंद है।

मंत्री ने कहा कि अगर टैंकर और अन्य जहाज जलडमरूमध्य से गुजरने में असमर्थ रहे तो कच्चे तेल की कीमतें दो से तीन सप्ताह के भीतर 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जबकि प्राकृतिक गैस की कीमतें चार गुना बढ़ सकती हैं।

ब्रेंट क्रूड वायदा में इस सप्ताह 20 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को ब्रेंट 3 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि डब्ल्यूटीआई 5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 86 डॉलर पर पहुंच गया। दोनों बेंचमार्क अप्रैल 2024 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दुनिया में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक कतर, इस सप्ताह ईरान के ड्रोन हमले में अपने रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमले के बाद अप्रत्याशित आपातकाल (फोर्स मेज्योर) घोषित कर चुका है। कतर के मंत्री ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा,जिन देशों ने अभी तक फोर्स मेज्योर घोषित नहीं किया है, हमें उम्मीद है कि स्थिति जारी रहने पर वे अगले कुछ दिनों में ऐसा करेंगे। खाड़ी क्षेत्र के सभी निर्यातकों को फोर्स मेज्योर घोषित करना होगा।

नवरात्रि 19 से, प्रतिपदा क्षय का योग फिर भी पूरे 9 दिन मनेगी नवरात्रि

27 मार्च को महानवमी पर होगा समापन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। चैत्र नवरात्रि व नव संवत्सर 19 मार्च से शुरू होगा। वहीं नवरात्रि का समापन 27 मार्च को होगा। इस साल चैत्र नवरात्रि एक खास ज्योतिषीय संयोग में शुरू होंगे। प्रतिपदा तिथि अमावस्या में मिलने के कारण पहली तिथि टूटने का योग बन रहा है, लेकिन इसके बावजूद नवरात्रि पूरे नौ दिनों के ही रहेंगे।

प्रतिपदा तिथि 19 को सूर्योदय के बाद प्रारंभ होगी और अगले दिन 20 मार्च को सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। धर्मशास्त्र के अनुसार जिस दिन प्रतिपदा तिथि होती है, उसी दिन नवरात्रि स्थापना करना श्रेष्ठ माना गया है। माता का आगमन डोली पर और विदाई चरणायुध यानी मुर्गा पर होगा। देवी मंदिरों में तैयारी शुरू हो गई हैं। रंगाई का कार्य शुरू हो गया है। मनोकामना ज्योति की बुकिंग शुरू हो गई है। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि 18 मार्च को सुबह 8:26 बजे से अमावस्या लगेगी, जो 19 को सुबह 6:53 बजे तक रहेगी। जबकि सूर्योदय सुबह 6:36 बजे ही हो जाएगा। ऐसे में प्रतिपदा की बजाय अमावस्या उदयव्यापनी तिथि में रह गई। प्रतिपदा तिथि 19 को सुबह 6:53 से 20 को प्रात: 4:53 बजे तक रहेगी, जो सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। इस वजह से प्रतिपदा तिथि का क्षय होगा। 26 को अष्टमी तिथि सुबह 11:49 तक रहेगी और नवमी प्रारंभ हो जाएगी। जो नवमी 27 को 10:07 बजे तक रहेगी। इसलिए 26 को ही रामनवमी मनाई जाएगी। नवरात्रि को लेकर मंदिर और कलश की साफ-सफाई की जा रही है। नवरात्रि में मंदिर में यज्ञ, श्रीमद् देवी भागवत, दुर्गा सप्तशती पाठ, सतचंडी यज्ञ किया जाएगा। जसगीत होगा। देवी के आह्वान और घट स्थापना के लिए अभिजित मुहूर्त को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। 19 को अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:11 बजे से 12:58 बजे तक रहेगा। इस समय घट स्थापना करना शुभ रहेगा। चौघड़िया मुहूर्त सुबह 6:54 बजे से 8:06 बजे तक तथा 11:05 बजे से दोपहर 3:34 बजे तक भी घट स्थापना की जा सकती है। जो श्रद्धालु अष्टमी का व्रत करते हैं, वे 26 मार्च को अष्टमी पूजन कर कन्याओं को भोजन कराएंगे। इस दिन घरों और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ कन्या पूजन किया जाएगा। 27 को महानवमी के दिन नवरात्रि का समापन होगा। वहीं 26 मार्च को मध्याह्न में नवमी तिथि रहेगी। 27 मार्च को सूर्योदय नवमी तिथि में होने के कारण नवरात्रि का समापन उसी दिन होगा। 27 को पुनर्वसु नक्षत्र भी रहेगा, जो भगवान श्रीराम का जन्म नक्षत्र है। नक्षत्र गणना के हिसाब से रामनवमी नवरात्रि समापन पर 27 मार्च को मनाई जाएगी। 27 मार्च को पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र के युग्म संयोग और सर्वार्थ सिद्धि योग में रामनवमी मनाई जाएगी।

उत्पादन बढ़ने से सड़कों पर भारी वाहनों का बढ़ा दबाव

उड़ते कोल डस्ट से राहगीरों की बढ़ी मुसीबत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल की कोयला खदानों का उत्पादन बढ़ने के बाद से क्षेत्र की सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ा है। गेवरा व दीपका खदानों से निकलने वाली गाड़ियां थाना चौक से श्रमिक चौक गेवरा, बजरंग चौक व दीपका श्रमिक चौक से गुजरती है। इससे सड़क पर उड़ते कोल डस्ट से राहगीरों को राहत नहीं मिल पा रहा है।

इनकी परेशानी बढ़ गई है। दूसरी ओर दीपका कॉलोनी व ऊर्जा नगर कॉलोनी के रहवासी भी परेशान हैं। सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव जरूरी है। एसईसीएल कुसमुंडा खदान से निकलने वाली गाड़ियां फोरलेन सड़क से गंतव्य स्थल के लिए आवाजाही करती है। वैवाहिक सीजन में कुसमुंडा मुख्य सड़क पर आए दिन जाम से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। भारी वाहनों की कतारें सड़क पर लगती है। मंगलवार को जरूरी काम से निकले लोग जाम में फंसने से परेशान हुए। ओवरब्रिज का काम रुका हुआ है। इसके निर्माण कार्य में देरी से ईमलीछापर रेलवे फाटक बंद कर मरम्मत कार्य करने से राहगीरों की जाम की समस्या से परेशानी होती है। ओवरब्रिज बनने के बाद लोगों को ईमलीछापर चौक से रेलवे फाटक पारकर आवाजाही नहीं करनी पड़ेगी। दूसरी ओर एसईसीएल दीपका खदान से कोयला लदी गाड़ियां श्रमिक चौक दीपका से थाना चौक व बतारी मोड़ से गंतव्य स्थल के लिए निकलती है। दीपका थाना चौक से बजरंग चौक के बीच भारी वाहनों के चलने पर धूल उड़ने से राहगीर परेशान हो रहे हैं। सड़क के निकट एसईसीएल प्रगति नगर का आवासीय कॉलोनी भी है, जहां निवासरत कर्मचारी परिवारों को कोल डस्ट उड़ने से परेशानी हो रही है। एसईसीएल की रेल मार्ग से कोल परिवहन का रैक बढ़ाने का है। इसके लिए मालगाड़ियों में हाईटेक लोडिंग भी शुरू की है, लेकिन सड़क मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव कम नहीं हुआ है। गेवरा-पेंड्रा रेल कॉरीडोर का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मालगाड़ियों की आवाजाही शुरू होने पर सड़क पर भारी वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीदें बंधी है। मगर अभी कोयलांचल क्षेत्र के लोगों को सड़क पर लगने वाले जाम व उड़ते कोल डस्ट से राहत देने की जरूरत है।

रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सरप्राईज चेकिंग कर की गई पूछताछ

अलग अलग धाराओं के तहत 14 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने पुलिस ने अभियान छेड़ दिया है। सजग कोरबा अभियान के तहत पुलिस ने नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े गए दो लोगों के खिलाफ एमवी एक्ट की कार्रवाई की, जबकि दस लोगों को शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा गया। इनमें तीन के खिलाफ निगरानी फाईल खोलने की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अभियान के तहत रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सरप्राइज चेकिंग करते हुए संदिग्धों से पूछताछ भी की है।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी शराब व मादक पदार्थ की बिक्री सहित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश जारी किए हैं। उनके निर्देश एएसपी लखन पटले व सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने सजग कोरबा अभियान के तहत बुधवार की रात क्षेत्र में बाइक से इमलीडुग्गु, सीतामढ़ी, संजय नगर व रेलवे स्टेशन क्षेत्र में बाइक से सघन पेट्रोलिंग की। इस दौरान इमलीडुग्गु क्षेत्र में लक्ष्मी नारायण व संजय नगर चांपा निवासी गौतम दास को नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़ा गया। इसी तरह सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते इमलीडुग्गु में रहने वाल रामेश्वर साहू व सीतामढ़ी निवासी भूपेन्द्र पटेल को पकड़ा गया। पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान इमलीडुग्गु निवासी विजय कुमार, हिदायत खान, रमेश देवांगन, अशोक यादव, मुनाराम साहू, मुरारी मेंचे, गंगुराम, रामुराम, विष्णुकुमार व जीतेंद्र यादव को शराब बेचते पकड़ा गया। उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने शराब बेचते पकड़े गए तीन आरोपियों के खिलाफ निगरानी फाइल खोलने की कार्रवाइ की है। इससे पहले पुलिस ने नशे के कारोबार में संलिप्त इंडस्ट्रीयल एरिया निवासी संजय पावले के विरूद्ध जिला बदर की कार्रवाई की थी। गौरतलब है कि हालही में पूर्व पार्षद सुफल दास महंत, पार्षद उपेन्द्र पटेल व पार्षद पति सुजित राठौर ने बस्तीवासियों के साथ कलेक्ट्रेट व एसपी कार्यालय पहुंचकर नशे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

एक ही रात टूटे पांच सूने मकान के ताले

सतनाम नगर और रविशंकर शुक्ल नगर में हुई चोरी से सनसनी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में चोर गिरोह सक्रिय है, जो आए दिन चोरी को अंजाम दे रहे हैं। शातिर चोरों ने एक ही रात पांच मकानों में चोरी की है। जिसमें चार मकान एक ही बस्ती की है, जबकि पांचवां पॉश कालोनी में स्थित है। हालांकि चोरों के हाथ लगे सामान स्पष्ट नही है। इसका खुलासा मकान मालिको के लौटने पर होगा। मामला सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों की पतासाजी कर रही है।

पहली घटना मानिकपुर पुलिस चौकी अंतर्गत रविशंकर शुक्ल नगर की है। यहां आवास क्रमांक एलआईजी 2/13 में मथुरा चंद्रा अकेले निवास करती है। उनके पति आयुर्वेद विभाग में अफसर थे, जिनका देहांत हो चुका है, जबकि दो बेटियों के हाथ पीले कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि श्रीमति चंद्रा मंगलवार की सुबह छोटी बेटी के घर भोपाल चली गई। उन्होंने घर की देखरेख के लिए नौकरानी को जिम्मेदारी सौंपी थी। वह गुरूवार की सुबह मुख्यद्वार का दरवाजा खोलकर भीतर पहुंची, जहां मकान के दरवाजे पर नजड़ पड़ते ही उसके होश उड़ गए। दरअसल मकान के दरवाजे में लगा ताला टूटा हुआ था, जिसकी जानकारी नौकरानी ने आसपास के लोगों को दी। जिन्होंने घटना से पुलिस को अवगत कराया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो आवास के भीतर सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा मिला। चोर बाउंड्रीवाल को फांदने के बाद दरवाजे का ताला तोड़कर कमरों में पहुंचे थे। पुलिस ने तह तक जाने डॉग स्क्वायड की मदद ली। मास्टर सुनील गुप्ता ने खोजी डॉग बाघा के रस्सी ढीले किए तो वह मकान के आसपास ही घूमता रहा। जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर वाहन में सवार होकर मौके तक पहुंचे थे। पुलिस ने परिजनों के माध्यम से घटना की जानकारी पीड़िता को दे दी है। उसके घर लौटने के बाद चोरी गए सामानों का खुलासा होगा। इसी तरह सिविल लाइन थानांतर्गत सतनाम नगर में एक ही रात चार मकानों का ताला तोड़कर चोरों ने पुलिस को चुनौती दे दी है। सतनाम नगर में रहने वाले चार परिवार बीते कुछ दिनों से बाहर गए हुए हैं। उन्होंने मकान के दरवाजे में ताला जड़ा हुआ था। शातिर चोर पिछले हिस्से से मकान के मुख्य द्वार तक पहुंचे और दरवाजे में लगा ताला तोड़कर भीतर पहुंचे थे। घटना के बाद एक ही परिवार ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है, जबकि गुरूवार की देर शाम तक तीन परिवार शिकायत दर्ज कराने थाना नही पहुंचे थे। उन्होंने लौटने के बाद चोरी गए सामान की जानकारी देने व रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही है। गौरतलब है कि बीते एक माह से शहर में चोरी की घटना अचानक बढ़ गई है। शातिर चोर आए दिन मकान, दुकान व सरकारी संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। बहरहाल पुलिस सतनाम नगर में चोरी को अंजाम देने वाले आरोपियों की पतासाजी कर रही है।

बाइक सवार तीन संदिग्ध की तस्वीर कैद

शहर के पॉश कालोनी रविशंकर शुक्ल नगर में चोरी की घटना घटित हो गई। सूचना मिलते ही मानिकपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने कालोनी और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। इस दौरान एक कैमरे में तीन संदिग्धों की तस्वीर कैद मिली है, जो पहले बाइक फिर थोड़ी देर बाद पैदल घूमते नजर आ रहे हैं।

16 मार्च से शुरू होगी बोर्ड उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

दो स्कूलों को बनाया गया है मूल्यांकन केन्द्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा अंतिम चरण में है। 13 मार्च को 10वीं कक्षा तो 18 मार्च को 12वीं कक्षा का अंतिम पेपर आयोजित होगा। इसी बीच 16 मार्च से बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राओं की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू हो जाएगा। जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। मूल्यांकन के लिए पूर्व की तरह ही गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल साडा टीपीनगर व गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल एनसीडीसी को केन्द्र बनाया गया है। इन दोनों केन्द्रों में प्रथम चरण का मूल्यांकन कार्य 16 मार्च से शुरू होगा। इसके लिए मूल्यांकनकर्ता विषय शिक्षकों की ड्यूटी भी सीधे बोर्ड से लगाई जा रही है। मूल्यांकन केन्द्र गर्वमेंट में गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल साडा में 200 विषय शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। यहां ड्यूटी करने वाले शिक्षक करतला व कटघोरा ब्लाक के स्कूलों के होंगे। जबकि एनसीडीसी स्कूल में 300 शिक्षक मूल्यांकन कार्य करेंगे। ये शिक्षक पोड़ी उपरोड़ा, कोरबा व पाली ब्लाक से होंगे।

हर विषय के अतिरिक्त शिक्षकों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी जिनकी सेवा आकस्मिक स्थिति में ली जाएगी। किस शिक्षक की ड्यूटी किस केन्द्र में लगाई जाएगी इसका निर्धारण जिले से भेजी गई सूची के अनुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा की जा रही है। जानकारी के अनुसार आगामी माह होने वाली जनगणना में बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी। जिसे देखते हुए मूल्यांकन कार्य समय पर पूरा करने कहा गया है। जनगणना व मूल्यांकन कार्य दोनों जरूरी है, इसलिए ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है ताकि दोनों ही काम समय पर कराए जा सकें।

5 अप्रैल तक जांचनी होंगी सभी कापियां

बीते सत्र तक बोर्ड परीक्षाएं 1 मार्च से शुरू हो रही थीं। इस बार तिथि में बदलाव करते हुए 10 दिन पहले अर्थात 20 फरवरी से परीक्षा शुरू की गई थी। वहीं मूल्यांकन कार्य बीते साल तक 15 अप्रैल तक कराने की बाध्यता मूल्यांकन केन्द्र प्रभारियों पर रहती थी। चूंकि इस बार परीक्षा 10 दिन पहले शुरू हुई है इसलिए इस मूल्यांकन कार्य भी 10 दिन पहले अर्थात 5 अप्रैल तक हर हाल में पूरा करना होगा। जनगणना कार्य को लेकर परीक्षा व मूल्यांकन कार्य पहले कराया जा रहा है, ताकि रिजल्ट की घोषणा भी पहले हो सके।

टूथपेस्ट खाने के बाद बिगड़ी वृद्ध की तबीयत

अस्पताल में सप्ताह भर चले इलाज के बाद हुई मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। किडनी की बीमारी से जूझ रहे एसईसीएल के रिटायर्ड कर्मी ने टूथपेस्ट को खा लिया। इसके थोड़ी ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां सप्ताह भर तक चले इलाज के बाद वृद्ध की मौत हो गई। मामले में अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की है।

उरगा थानांतर्गत ग्राम धमनागुड़ी में सोहन दास 77 वर्ष निवास करता था। एसईसीएल रजगामार से सेवानिवृत्त होने के बाद उसकी देखरेख बड़ी बहू धनेश्वरी बाई करते आ रही थी, जबकि मंझला पुत्र रविदास अपने परिवार के साथ कुसमुंडा के अवध नगर में रहकर रोजी मजदूरी करता है। सोहन दास किडनी की बीमारी से ग्रसित था। उसकी बहू उसे समय समय पर अस्पताल ले जाकर उपचार कराती थी। उसने तबीयत बिगड़ने पर होली के दूसरे दिन ससुर सोहन दास को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल करा दी। इसकी जानकारी होने पर मंझला बेटा रवि पिता को देखने पहुंचा। उसने अपनी भाभी से पूछताछ की तो पता चला कि होली की पूर्व संध्या बुजुर्ग ने टूथपेस्ट को खा लिया था, जिसके थोड़ी ही देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। अपने पिता की कुशल क्षेम जानने के बाद रवि घर लौट गया। अस्पताल में रिटायर्ड कर्मी का उपचार चल रहा था। करीब सप्ताह भर चले इलाज के बाद गुरूवार की सुबह रिटायर्ड कर्मी ने दम तोड़ दिया। जिसकी सूचना अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को दी। मेमों के आधार पर अस्पताल पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई की है।

मीन संक्रांति से होगा खरमास शुरू, एक माह तक नहीं होंगी शादियां

14 अप्रैल को सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ फिर शुरू हो जाएंगे मांगलिक कार्य

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मीन संक्रांति के साथ 14 मार्च से खरमास लग रहा है, जो 14 अप्रैल तक चलेगा। इस एक माह की अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण, मुंडन, यज्ञोपवीत जैसे सभी मांगलिक और शुभ कार्यों पर विराम लग जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा-पाठ, दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व रहता है।

ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि 14 मार्च को दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर सूर्य कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही मीन संक्रांति के साथ खरमास शुरू होगा। इसके बाद 14 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजकर 35 मिनट पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करेगा, जिसके साथ ही खरमास समाप्त हो जाएगा और मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त फिर से शुरू हो जाएंगे। पंडितों का कहना है कि धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक विवाह के शुभ मुहूर्त के लिए वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मीन लग्न को शुभ माना जाता है। वहीं अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, मघा, चित्रा, स्वाति, हस्त, अनुराधा और उत्तरा फाल्गुन जैसे नक्षत्रों में विवाह संस्कार के लिए अनुकूल योग बनते हैं। पंडितों का कहना है कि इस वर्ष अधिक मास का भी संयोग बन रहा है। ज्येष्ठ मास इस बार दो माह तक रहेगा, जिसके कारण 15 मई से 17 जून तक मलमास रहेगा। इस अवधि में भी शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं होंगे। इसके बाद 25 जुलाई से 20 नवंबर तक चातुर्मास का समय रहेगा। इस समय भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हैं। इस दौरान भी मांगलिक कार्यों पर विराम रहता है। पंडितों ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब सूर्य धनु या मीन राशि में प्रवेश करते हैं तो उस अवधि को खरमास कहा जाता है। इस समय सूर्य की ऊर्जा और प्रभाव अपेक्षाकृत मंद माने जाते हैं, जिसके कारण विवाह और अन्य शुभ संस्कारों के लिए अनुकूल योग नहीं बनते। वैदिक ज्योतिष के अनुसार विवाह जैसे मांगलिक कार्यों के लिए सूर्य, गुरु और शुक्र का शुभ स्थिति में होना आवश्यक माना जाता है। इनमें से किसी एक के भी कमजोर होने पर शुभ मुहूर्त नहीं बनता, इसलिए इस अवधि में मांगलिक कार्यों को टाल दिया जाता है।

पूजा-पाठ और दान का भी है विशेष महत्व

पंडितों ने बताया कि धार्मिक दृष्टि से खरमास का समय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा, मंत्रजाप, यज्ञ, दान और तीर्थ स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस अवधि में किए गए दान-पुण्य और धार्मिक कार्यों से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623